INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-154 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 30 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

वीबीजीरामजी में श्रमिकों को सालभर में 60 दिन का कार्य अवकाश

यूनिक समय, मथुरा। ग्राम्य विकास विभाग ने वीबीजीरामजी (विकसित भारत ग्राम्य रोजगार जनकल्याण मिशन) के तहत कार्यरत श्रमिकों के लिए नई कार्य व्यवस्था लागू कर दी है। इसके तहत अब एक वित्तीय वर्ष में श्रमिकों को तीन चरणों में कुल 60 दिन का कार्य अवकाश मिलेगा। विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रत्येक चरण में 20–20 दिन तक रोजगार कार्य बंद रहेगा। यह व्यवस्था चालू वित्तीय वर्ष में दूसरे चरण से प्रभावी होगी।

मनरेगा के स्थान पर संचालित किए जा रहे वीबीजीरामजी के अंतर्गत जॉब कार्डधारकों को वर्ष में 125 दिन रोजगार उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसके साथ ही कृषि कार्यों के

प्रमुख सीजन को ध्यान में रखते हुए 60 दिन तक सरकारी रोजगार कार्य बंद रखने की व्यवस्था की गई है, ताकि ग्रामीण श्रमिक खेती–किसानी के कार्यों में भी आसानी से भागीदारी कर सकें।

विभाग के अनुसार, पहला चरण एक जुलाई

तीन चरणों में 20–20 दिन बंद रहेगा रोजगार कार्य

कृषि सीजन के दौरान नहीं जारी होंगे ई–मस्टरोल

से 20 जुलाई तक धान की रोपाई के दौरान, दूसरा चरण 15 अक्टूबर से पांच नवंबर तक धान की कटाई और गेहूं की बोआई के समय, जबकि तीसरा चरण एक अप्रैल से 20 अप्रैल तक गेहूं की कटाई के दौरान लागू रहेगा। इन अवधियों में श्रमिकों के लिए ई–मस्टरोल जारी नहीं किए जाएंगे और किसी भी प्रकार का रोजगार कार्य संचालित नहीं होगा।

हालांकि चालू वित्तीय वर्ष में पहले चरण की अवधि को लागू नहीं किया गया है। इसके चलते एक से 20 जुलाई के बीच जिन विकास कार्यों पर श्रमिकों ने काम किया है, उनका भुगतान पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। दूसरे और तीसरे चरण में कार्य बंद रहने के दौरान नए कार्य स्वीकृत नहीं होंगे, लेकिन पहले और तीसरे चरण से पहले किए गए विकास कार्यों, सामग्री की खरीद और मजदूरी का भुगतान नियमित रूप से जारी रहेगा।

ग्राम्य विकास विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त श्रमिक उपलब्ध रहेंगे, वहीं दूसरी ओर सरकारी रोजगार योजनाओं का संचालन भी व्यवस्थित ढंग से किया जा सकेगा। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को नई समयसारिणी का पालन तय कराने और श्रमिकों को इसकी जानकारी देने के निर्देश जारी किए हैं। उपायुक्त श्रम रोगजार विजय कुमार पांडेय बताया कि वीबीजीरामजी में एक वित्तीय वर्ष में 60 दिन का काम बंद रखे जाने की अधिसूचना ग्राम्य विकास से जारी हो गई है। प्रथम और तृतीय चरण में कराए गए काम पर सामग्री, मजदूरी आदि का भुगतान समय से होता रहेगा। कार्यक्रम अधिकारियों को अक्टूबर माह की कार्ययोजना में इस बात का ध्यान रखने के लिए कहा गया है।

रोडवेज बस में ओवर टेक करती डग्गेमार बस ने मारी टक्कर

दो दर्जन से अधिक सवारियां घायल

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोसीकलां के कोटवन कट के समीप उत्तर प्रदेश रोडवेज की बस को ओवर टेक करने के दौरान हरियाणा रोडवेज के रंग की एक बस ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों बसें पलट गई। बस में बैठी सवारियों में चीख–पुकार मच गई। दुर्घटना में दो दर्जन से अधिक सवारियां घायल हो गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को क्षतिग्रस्त बसों से निकाल कर एम्बुलेंसों के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया।

बताया गया कि गुरुवार दोपहर को आगरा से रोडवेज की बस दिल्ली के लिए सवारियां भरकर जा रही थी, बस में करीब पैंतीस सवारियां थी। वहीं, हरियाणा रोडवेज के रंग में रंगी एक डग्गेमार बस आगरा से गुरूग्राम के लिए सवारियां लेकर पीछे से आ रही थी। डग्गेमार बस में करीब पचास सवारियां थी।

बताया गया कि रोडवेज बस से आगे निकलकर सवारियां उठाने के प्रयास में डग्गेमार बस का चालक बस को तेज गति से चला रहा था। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटवन कट के समीप डग्गेमार बस ने रोडवेज बस को ओवरटेक करने के प्रयास में जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि दोनों बस टकराने के बाद पलट गई। तेज आवाज को सुनकर आस–पास के लोगों में हड़कंप मच गया। बस में सवार सवारियों की चीख–पुकार सुनकर लोग तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। कुछ ही देर में पुलिस और एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस और स्थानीय लोगों ने बसों में फंसे घायलों को बाहर निकाल कर एंबुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचाया। कई लोगों को गंभीर चोट आई। डग्गेमार बस में बैठी सवारियों को अधिक चोट आई।

घायलों में प्रमोद (52)पुत्र

हादसे के बाद दोनों बस पलटी

खूबसिंह निवासी दिल्ली, अनुसूईया, सतीश(38) पुत्र राधाचरन निवासी सोहाबा, अरुण (18) पुत्र अनिल निवासी बल्देव, टिंवकल (3) पुत्री रोहित निवासी बल्देव, रूबी(26) पुत्र रोहित निवासी बल्देव, सोहिल (28)पुत्र जलालुद्दीन निवासी आगरा, लक्ष्मी(40) पत्नी सिकंदर निवासी पहाड़ी, प्रीति (11) पुत्री सिकंदर निवासी पहाड़ी, इमरत(50) पत्नी सुभाष निवासी पहेड़ी जिला नूंह, सुभाष(50) पुत्र भूपसिंह, श्यामा(40) पत्नी रवि, निवासी नागल जाट वहीन, शिवरानी के अलावा कई घायलों को मथुरा और हरियाणा के अस्पतालों में भेज गया है। इसके अलावा जिन लोगों को कम चोटे आई वे दूसरे वाहन से अपने गंतव्य को चले गए। पुलिस ने दोनों वहानों को क्रेन की सहायता से हटवा कर रास्ते को आवागमन के लिए सुचारू किया।

हाइवे पर धड़ल्ले से दौड़ती हैं हरियाणा रोडवेज के रंग वाली बसें

यूनिक समय, मथुरा। आगरा से दिल्ली के लिए हरियाणा रोडवज के रंग से मिलती हुई प्राइवेट डग्गेमार बसें रोजाना हाइवे पर खुले आम तेज रफ्तार से दौड़ रही है, लेकिन न तो इस ओर एआरटीओ का ध्यान है और न ही पुलिस इस तरह के वाहनों पर कार्रवाई करती है।

आगरा से दिल्ली– गुरूग्राम आदि के लिए बढ़ी संख्या में हरियाणा रोडवेज के रंग से मिलती जुलती डग्गेमार प्राइवेट बसें धड़ल्ले से सवारियों को लेकर दौड़ रही है। इन वाहनों को न तो एआरटीओ चेक करता है और न ही पुलिस इस तरह के वाहनों के बारे में पूछताछ करती है। इसके चलते हाइवे पर डग्गेमारी करने वाले इस गैंग के हौंसले बुलंद है। इस बात की चर्चा है कि इस तरह के डग्गेमार वाहन एआरटीओ और पुलिस को हर महीने तय रकमदेते हैं।

शायद यही वजह है कि इस तरह के वाहनों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। आज कोटवन कट पर हुई दुर्घटना के बाद पुलिस और एआरटीओ कार्यालय खानापूर्ति के नाम पर कल से इन वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है।

ई–20 पेट्रोल पर सरकार ने पहली बार स्थिति की स्पष्ट

बीएस–3 वाहनों में बदलने पड़ सकते हैं रबर पाट्र्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पहली बार संसद में स्पष्ट किया है कि बीएस–3 मानक वाले वाहनों में ई–20 पेट्रोल (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित ईंधन) के उपयोग से इंजन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन कुछ रबर आधारित पुर्जों को समय–समय पर बदलने की आवश्यकता हो सकती है। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में लिखित उत्तर के माध्यम से दी।

सरकार के अनुसार, वर्ष 2005 से 2016 के बीच निर्मित बीएस–3 मानक वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों में ई–20 ईंधन के लंबे उपयोग

से फ्यूल सिस्टम में लगे कुछ रबर पुर्जों पर असर पड़ सकता है। इनमें फ्यूल पाइप, ओ–रिंग, रबर सील, फ्यूल होज, गैस्केट, फ्यूल पंप के रबर कंपोनेंट और इंजेक्टर सील शामिल हैं। हालांकि, इन पुर्जों को नियमित सर्विसिंग के दौरान आसानी से बदला जा सकता है और इसके लिए इंजन में किसी प्रकार का बदलाव आवश्यक

इंजन सुरक्षित नियमित सर्विसिंग से समस्या होगी दूर

नहीं होगा।

सरकार ने बताया कि इंडियन ऑयल, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किए गए संयुक्त अध्ययन में पाया गया कि ई–20 पेट्रोल से इंजन के प्रदर्शन पर कोई विशेष नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। पुरानी गाड़ियों में भी असामान्य टूट–फूट या कार्यक्षमता में उल्लेखनीय कमी दर्ज नहीं की गई।

ऑटो विशेषज्ञों के अनुसार, पुराने रबर पुर्जे एथेनॉल के लंबे संपर्क में आने पर कठोर, मुलायम या फूल सकते हैं, इसलिए उनकी समय–समय पर जांच आवश्यक है। दोपहिया वाहनों में ऐसे पुर्जे बदलने का खर्च लगभग 500 से 1,500 रुपये और चार पहिया वाहनों में 2,000 से 8,000 रुपये तक हो सकता है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि वाहन का माइलेज केवल ईंधन पर निर्भर नहीं करता, बल्कि ड्राइविंग शैली, सड़क की स्थिति, रखरखाव और अन्य तकनीकी कारकों से भी प्रभावित होता है।

ग्राम पंचायतों ने नए विकास कार्यों के प्रस्ताव भेजे

डीपीआरओ की जांच के बाद डीएम से मिलेगी अंतिम मंजूरी

सड़क, नाली, पेयजल सहित मूलभूत सुविधाओं पर रहेगा फोकस

यूनिक समय, मथुरा। ग्राम पंचायतों का पांच वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने के बाद शासन की ओर से ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किया गया है। कार्यभार संभालने के बाद जिले की करीब 56 ग्राम पंचायतों ने नए विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव जिला पंचायत राज विभाग को भेजे हैं। इन प्रस्तावों में ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने से जुड़े विभिन्न विकास कार्य शामिल हैं। विभागीय प्रक्रिया पूरी होने और सक्षम स्तर से स्वीकृति मिलने के बाद ही इन कार्यों की शुरुआत हो सकेगी।

वर्तमान व्यवस्था के अनुसार, प्रशासकों को केवल पहले से स्वीकृत और प्रगति पर चल रहे विकास कार्यों को पूरा कराने का अधिकार है। यदि किसी ग्राम पंचायत में नया विकास कार्य कराना है तो संबंधित प्रशासक को जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) कार्यालय में प्रस्ताव प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। डीपीआरओ कार्यालय प्रस्तावों की तकनीकी और प्रशासनिक जांच करेगा और नियमानुसार उन्हें स्वीकृति के लिए जिलाधिकारी के पास भेजेगा। जिलाधिकारी की मंजूरी मिलने के बाद ही संबंधित ग्राम पंचायत में नए विकास कार्यों को हरी झंडी मिलेगी।

जिला पंचायत राज विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह व्यवस्था विकास कार्यों में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू की गई है। विभाग को लगातार विभिन्न ग्राम पंचायतों से नए प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं। इनमें सड़क निर्माण, नाली निर्माण, खरंजा, सामुदायिक भवन, पेयजल व्यवस्था और अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्य प्रमुख हैं।

डीपीआरओ धनंजय जायसवाल का कहना है कि सभी प्रस्तावों का नियमानुसार परीक्षण किया जाएगा और पात्र योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति दिलाने का प्रयास होगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की रफ्तार बनी रहे और लोगों को समय पर बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल सके।

बिजली चोरी पर विजिलेंस की कार्रवाई पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा

बिजली चोरों के खिलाफ अभियान चलाते विजिलेंस और विद्युत विभाग के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। बिजली चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विजिलेंस और विद्युत विभाग की क्षेत्रीय टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पांच लोगों के खिलाफ विद्युत थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कार्रवाई के दौरान बिजली चोरी में प्रयुक्त अवैध केबल जब्त कर ली गई।

विजिलेंस प्रभारी अरुण कुमार और एसडीओ मनीष बंसल के निर्देशन में टीम ने सतोहा बिजली घर से पोषित शहरी फीडर क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान पांच उपभोक्ताओं के मीटर की इनकमिंग केबल में कट लगाकर अतिरिक्त केबल जोड़ी हुई मिली।

इन अवैध केबलों के माध्यम से एसी, चारा काटने की मोटर, इंडक्शन चूल्हा सहित अन्य विद्युत उपकरण चलाए जा रहे थे। जांच में सभी उपभोक्ताओं के कनेक्शन दो किलोवाट स्वीकृत पाए गए, जबकि मौके पर पांच, 10, आठ, नौ और छह किलोवाट का अवैध विद्युत भार उपयोग कर रहे थे। इस कार्रवाई से बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। इस मौके पर जेई किशन कुमार सोनकर, उपनिरीक्षक धीरेन्द्र पाल सिंह, जेई ध्रुव साहू, कपिल, जागेश्वर और अंकुर सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

उमस भरी गर्मी के चलते परिषदीय स्कूलों का समय बदलने की मांग

यूनिक समय, बलदेव। उमस भरी गर्मी के कारण परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को स्कूल से घर लौटते समय परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में स्कूलों की छुट्टी दोपहर दो बजे होती है, जो दिन का सबसे अधिक गर्म समय होता है। तेज धूप और उमस के कारण छोटे-छोटे बच्चों के चेहरे लाल पड़ जाते हैं, उन्हें अत्यधिक गर्मी झेलनी पड़ती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की समस्या भी बनी हुई है। कई विद्यालयों में नियमित बिजली न होने से पंखे नहीं चल पाते, जिससे बच्चों और शिक्षकों को उमस-गर्मी में पढ़ाई करनी पड़ती है। इन परिस्थितियों को देखते हुए अभिभावकों और शिक्षक नेता योगेश चौधरी,विश्वेंद्र सिंह,करतार सिंह, कर्मवीर सिंह, विक्रम सिंह, सुजीत वर्मा आदि ने डीएम से मांग की है कि परिषदीय विद्यालयों का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक किया जाए, ताकि बच्चों को भीषण गर्मी से राहत मिल सके और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहे।

स्वतंत्रता दिवस और हरियाली तीज एक ही दिन

15 अगस्त को धर्म संस्कृति और राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगेगा मथुरा-वृंदावन

यूनिक समय, वृंदावन। इस बार 15 अगस्त का दिन ब्रजवासियों और देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष रहने वाला है। एक ओर पूरा देश 79 वां स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाएगा, वहीं दूसरी ओर ब्रजधाम में हरियाली तीज का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। राष्ट्रभक्ति और कृष्णभक्ति का यह अद्भुत संगम मथुरा-वृंदावन को विशेष आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप प्रदान करेगा।

विश्वविख्यात ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में हरियाली तीज पर वर्ष में एक बार आयोजित होने वाला झूला उत्सव मुख्य आकर्षण रहेगा। परंपरा के अनुसार, इस दिन ठाकुरजी को स्वर्ण झूले पर विराजमान कराया जाता हैं।

इस बार ब्रज की गलियां एक ओर वंदे मातरम् और भारत माता की जय के नारों से गूंजेंगी तो दूसरी ओर राधे-राधे और जय श्री बांके बिहारी लाल की के जयघोष वातावरण को भक्तिमय बना देंगे। स्वतंत्रता दिवस और हरियाली तीज का यह दुर्लभ संयोग मथुरा-वृंदावन की धार्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता का अनुपम संदेश देगा। वहीं, इस अवसर पर सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और विभिन्न संगठनों द्वारा ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रभात फेरियां और देशभक्ति गीतों का आयोजन किया जाएगा। मंदिरों और प्रमुख चौराहों को तिरंगे रंगों की आकर्षक सजावट से सजाया जाएगा, श्रद्धालुओं और पर्यटकों के स्वागत की विशेष तैयारियां रहेंगी।

मेहंदी कला सीख आत्मनिर्भर बन रहीं महिलाएं

प्रशिक्षण केंद्रों पर आधुनिक और पारंपरिक डिजाइनों का ले रही प्रशिक्षण

त्योहारी सीजन में बढ़ेगी कलाकारों की मांग, स्वरोजगार को मिल रहा बढ़ावा

यूनिक समय, मथुरा। हरियाली तीज आगमन के साथ शहर में मेहंदी की रौनक बढ़ने लगी है। त्योहार की तैयारियों के बीच मेहंदी प्रशिक्षण केंद्रों पर महिलाओं और युवतियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यहां वे आकर्षक और आधुनिक मेहंदी डिजाइनों का प्रशिक्षण लेकर अपनी कला को निखार रही हैं। इसका उद्देश्य केवल त्योहार पर सुंदर मेहंदी लगाना नहीं, बल्कि इस हुनर को स्वरोजगार का माध्यम बनाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना भी है।

प्रशिक्षण केंद्र संचालकों के अनुसार, हरियाली तीज, रक्षाबंधन और विवाह सीजन के दौरान मेहंदी कलाकारों की मांग काफी बढ़ जाती है। ऐसे में बड़ी संख्या में छात्राएं और महिलाएं इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रशिक्षण ले रही हैं। प्रशिक्षण के दौरान अरेबिक, ब्राइडल, इंडो-अरेबिक, मंडला और पारंपरिक मेहंदी डिजाइनों का अभ्यास कराया जा रहा है, ताकि प्रशिक्षु ग्राहकों की पसंद के अनुसार बेहतर सेवाएं दे सकें।

प्रशिक्षकों का कहना है कि मेहंदी कला कम लागत में शुरू होने वाला ऐसा व्यवसाय है, जिससे महिलाएं घर बैठे या विभिन्न आयोजनों में सेवाएं देकर अच्छी आय अर्जित कर सकती हैं। पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में रुचि रखने वाली महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ी है। कई महिलाएं प्रशिक्षण पूरा करने के बाद अपना छोटा मेहंदी स्टूडियो शुरू करने या स्वतंत्र कलाकार के रूप में काम करने की योजना बना रही हैं।

प्रशिक्षण ले रहीं युवतियों का कहना है कि पहले वे केवल शौक के लिए मेहंदी लगाती थीं, लेकिन अब इसे पेशेवर तरीके से सीख रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि हरियाली तीज, रक्षाबंधन और शादी-विवाह के सीजन में उन्हें अच्छा काम मिलेगा। इससे पढ़ाई के साथ अतिरिक्त आमदनी होगी और परिवार की आर्थिक सहायता करने का मौका भी मिलेगा। मेहंदी की यह कला अब महिलाओं के लिए हुनर के साथ आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बनती जा रही है।

घटना के बाद जागते विभाग कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

यूनिक समय, मथुरा। हाल ही में दिल्ली और लखनऊ में ऊंची इमारतों में लगी आग और बेसमेंट में भरे पानी के कारण हुई मौतों के बाद सरकार द्वारा जारी किए गए सख्त निर्देशों पर स्थानीय अधिकारियों और फायर ब्रिगेड की नींद टूटी थी। शहर में होटल, गेस्टहाउसों और बेसमेंट में चल रही गतिविधियों पर अभियान चला कर कार्रवाई की गई। कुछ इमारतों को सीज भी किया,लेकिन बाद में फिर ये मामला ढीला पड़ने लग गया। अब सब सामान्य दिखने लगा है।

किसी बड़ी घटना या हादसे के बाद प्रशासनिक और विभागीय कार्रवाई तेज होना अब आम बात बनती जा रही है। जैसे ही किसी मामले में शासन का संज्ञान या जनदबाव बढ़ता है, संबंधित विभाग सक्रिय होकर जांच, निरीक्षण और छापेमारी शुरू कर देते हैं। हालांकि सवाल यह उठता है कि यदि नियमों का पालन पहले से सुनिश्चित किया जाए तो ऐसी स्थिति बनने से काफी हद तक बचा जा सकता है।

सरकार समय-समय पर सभी विभागों को निर्धारित मानकों और नियमों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश देती रही है। इसके बावजूद कई स्थानों पर नियमित निरीक्षण और निगरानी की कमी देखने को मिलती है। शहर में बनाए जाने वाली इमारतों के समय संबंधित विभाग की ओर से न तो यह देखा जाता है कि उनका नक्शा है अथवा नहीं। शिकायतों के बाद भी संबंधित अधिकारियों की मेहरबानी से भवन बन जाती है। इसके बाद जब अधिकारियों पर किसी तरह का दबाव आता है तो तुरंत विभाग एक्शन मूड में आता है।

हादसों के बाद शुरू होती जांच और छापेमारी की मुहिम

नियमित निगरानी के अभाव से बार-बार बन रहे गंभीर हालात

ऐसा ही कल एक मामला सामने आया। भूतेश्वर स्थित साईधाम होटल को जिम्मेदार अधिकारियों ने यह कहकर सीज कर दिया कि होटल को मानकों के अनुरूप नहीं बनाया गया है। यह कार्रवाई उस समय हुई जब होटल संचालक के पुत्र ने वहां ठहरे एक परिवार की लड़की के स्नान करने के दौरान बाथरूम में कैमरा लगा कर अश्लील वीडियो शूट की गई। हालांकि कोर्ट से युवक को जमानत मिल गई थी। प्रशासनिक जानकारों का मानना है कि प्रभावी व्यवस्था के लिए केवल हादसे के बाद की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। नियमित निरीक्षण, समय-समय पर सत्यापन, जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान और नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए तो अनेक दुर्घटनाओं और अनियमितताओं को पहले ही रोका जा सकता है।

बाल विकास कार्यालय से इन्वर्टर और बैटरी चोरी

देर रात ताले तोड़कर कार्यालय में घुसे चोर

सीसी फुटेज खंगाल कर चोरों की तलाश में जुटी पुलिस

बाल विकास कार्यालय से इन्वर्टर और बैटरी चोरी की घटना की जानकारी करती पुलिस।

यूनिक समय, मथुरा। चौमुहां क्षेत्र के आझई स्थित बाल विकास एवं पुष्टाहार कार्यालय में बुधवार रात अज्ञात चोरों ने ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर कार्यालय परिसर में रखे इन्वर्टर और बैटरी चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी गुरुवार सुबह कर्मचारियों के कार्यालय पहुंचने पर हुई। घटना के कारण विभागीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया। जैंत पुलिस ने मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, नेशनल हाईवे-19 स्थित आंझई में आवास विकास कार्यालय के मुख्य गेट का ताला तोड़कर चोर परिसर में दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने अंदर के गेट का ताला भी तोड़ दिया और कार्यालय में रखे इन्वर्टर,बैटरी चोरी कर ले गए। चोरों ने चोरी के दौरान मुख्य कार्यालय कक्ष का ताला तोड़ने का प्रयास भी किया गया, लेकिन उसमें सफल नहीं हो सके। अन्य कमरों के ताले तोड़ने के भी ताले तोड़ने कोशिश की गई। आशंका जताई जा रही है कि चोर अधिक सामान चोरी करना चाहते थे, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली।

बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) सुमन देवी ने घटना की लिखित शिकायत थाना जैंत में दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि कार्यालय में चोरी से विभागीय कार्य प्रभावित हुआ है और आवश्यक उपकरणों का नुकसान हुआ है। पुलिस ने सीसी टीवी केमरों की फुटेज खंगाली और चोरों के बारे में जानकारी करने में जुटी है। थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस स्थानीय लोगों से भी पूछताछ कर रही है और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

कोटा गांव में विवाद,पथराव और हथियार लहराने का वीडियो वायरल

गली में झगड़े के बाद एकत्रित हुए लोग।

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैत क्षेत्र के कोटा गांव में दो पक्षों के बीच जमकर हुए विवाद का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच पथराव होता दिखाई दे रहा है, जबकि एक युवक हाथ में कथित रूप से तमंचा लहराते हुए भी दिखाई दे रहा है। घटना के बाद पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि बुधवार शाम करीब सात बजे किसी बात को लेकर गांव के दो पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद ने उग्र रूप ले लिया और दोनों ओर से पथराव शुरू हो गया। गली में हुए झगड़े के कारण आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, जबकि महिलाएं और बच्चे सुरक्षा के लिए अपने घरों में भागते नजर आए। घटना के दौरान कुछ लोगों ने झगड़े का वीडियो बना लिया, जो बाद में इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो में एक युवक कथित रूप से हाथ में तमंचा लेकर दूसरे

दो पक्षों के विवाद से गांव में मचा हड़कंप

वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस जांच में जुटी

पक्ष को धमकाता दिखाई दे रहा है। हथियार के प्रदर्शन का दावा करने वाले इस वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया है। हालांकि पुलिस ने अभी तक वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और उसकी सत्यता की जांच की जा रही है।

थाना प्रभारी सोनू सिंह ने बताया कि पुलिस वायरल वीडियो और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि विवाद की वजह क्या थी और झगड़े में कौन-कौन लोग शामिल थे। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है, वीडियो में दिखाई देने वाले व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर मुकदमा दर्ज कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गोवर्धन परिक्रमा के दौरान श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ी, मौत

अस्पताल पहुंचने से पहले थम गईं श्रद्धालु की सांसें

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा मृत्यु का वास्तविक कारण

यूनिक समय, मथुरा। गिरिराज महाराज की परिक्रमा के दौरान बिहार के एक श्रद्धालु की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई।
घटना के बाद परिजनों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की।

मृतक की पहचान बिहार के दरभंगा निवासी 35 वर्षीय विनोद मुखिया के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी और

अन्य परिजनों के साथ गोवर्धन परिक्रमा करने आए थे। गुरुवार सुबह परिक्रमा के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नेहा चौधरी ने बताया कि श्रद्धालु को अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। प्रारंभिक तौर पर हृदयाघात की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मृत्यु के वास्तविक कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ट्रेन की चपेट में आकर वृद्ध की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र स्थित रेलवे फाटक के समीप रेलवे लाइन के किनारे लघु शंका करता एक वृद्ध की ट्रेन की चपेट में आने के कारण मौत हो गई। थाना मांट के गांव बहद निवासी जगदेव (75) कल सायं गांव से दवा लेने के लिए राया गया था। राया में वह रेलवे फाटक के समीप रेल लाइन के किनारे लघुशंका कर रहा था। इसी बीच तेज गति से आती ट्रेन ने हॉर्न बजाया। वृद्ध हॉर्न की आवाज सुनकर घबरा गया। इसी बीच ट्रेन की चपेट में आने के कारण वह रेलवे लाइन के किनारे गिर गया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस को भी इस बारे में पता लगा तो मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों को जब उनकी मौत का पता लगा तो वहां कोहराम मच गया।

आज से शुरू हुआ सावन, शिवालयों में गूंजने लगा हर-हर महादेव

जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और सोमवार व्रत का रहेगा विशेष महत्व

पहले सावन के सोमवार के लिए कांवड़ियों ने तेज की तैयारियां

यूनिक समय, मथुरा। भगवान शिव को समर्पित पवित्र श्रावण मास का शुभारंभ गुरुवार से हो गया है। सावन का यह पावन महीना 28 अगस्त तक चलेगा। शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना, जलाभिषेक और रुद्राभिषेक का दौर शुरू हो गया है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन में श्रद्धा और विधि-विधान से भगवान शिव की उपासना करने से सुख, समृद्धि और मनोकामनाओं की प्राप्ति होती है। वहीं पहले सावन सोमवार पर जलाभिषेक के लिए कांवड़िये भी गंगाजल लेने विभिन्न घाटों की ओर रवाना होने लगे हैं।

इस बार सावन में चार सोमवार पड़ेंगे। पहला सोमवार तीन अगस्त, दूसरा 10 अगस्त, तीसरा 17 अगस्त और चौथा 24 अगस्त को होगा। इन दिनों शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ रहने की संभावना है। भक्त भगवान शिव का जल, दूध, पंचामृत और गंगाजल से अभिषेक करेंगे, बेलपत्र, धतूरा, आक, शमी पत्र, चंदन, अक्षत, भस्म, रुद्राक्ष, धूप-दीप और प्रसाद अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना करेंगे।

फरह कस्बा निवासी पंडित बाबी सारस्वत के अनुसार, सावन में नियमित रूप से भगवान शिव का अभिषेक करने का विशेष आध्यात्मिक महत्व माना गया है। उन्होंने बताया कि संतान सुख और मनोकामना पूर्ति के लिए मीठा गंगाजल और देसी गाय का दूध अर्पित करना शुभ माना जाता है। वहीं बेलपत्र अर्पित करने से शिव कृपा प्राप्त होती है। उनका कहना है कि सावन का प्रत्येक दिन भगवान शिव की आराधना, संयम और सेवा का संदेश देता है, इसलिए श्रद्धालुओं को पूरे माह श्रद्धा और आस्था के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए।

भूतेश्वर महादेव-ब्रज के कोतवाल

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के समीप स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर ब्रज के चार प्रमुख शिवालयों में विशेष स्थान रखता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव भूतेश्वर महादेव के रूप में ब्रज के कोतवाल और रक्षक हैं। सावन माह में यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु जल, दूध, बेलपत्र और धतूरा अर्पित कर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि विधि-विधान से पूजा करने पर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और सुख-समृद्धि और शांति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सावन के सोमवार और महाशिवरात्रि पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाता है।

रंगेश्वर महादेव: ब्रज के प्राचीन शिवधाम

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल मार्ग स्थित रंगेश्वर महादेव मंदिर ब्रज के प्राचीन और प्रसिद्ध शिवालयों में से एक है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव ने श्रीकृष्ण की लीलाओं के दर्शन और ब्रज की रक्षा के लिए यहां रंगेश्वर महादेव के रूप में निवास किया। ब्रज के चार प्रमुख शिवालयों में इसकी विशेष गणना होती है। सावन मास, महाशिवरात्रि और प्रत्येक सोमवार को यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और बेलपत्र अर्पित कर पूजा-अर्चना करते हैं। भक्तों का विश्वास है कि रंगेश्वर महादेव के दर्शन और आराधना से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

सावन के प्रमुख धार्मिक पर्व

नाग पंचमी (कृष्ण पक्ष)-तीन अगस्त
कामिका एकादशी व्रत-नौ अगस्त
सोम प्रदोष व्रत- 10 अगस्त
शिव त्रयोदशी- 11 अगस्त
सावन अमावस्या- 12 अगस्त
हरियाली तीज -15 अगस्त
नाग पंचमी (कृष्ण पक्ष) -17 अगस्त
तुलसी जयंती - 19 अगस्त
एकादशी व्रत - 23 व 24 अगस्त
भौम प्रदोष व्रत - 25 अगस्त
पूर्णिमा व्रत, सत्यनारायण व्रत-27 अगस्त
गायत्री जयंती, रक्षाबंधन -28 अगस्त

मानसी गंगा मंदिर के नए रिसीवर ने संभाला कार्यभार

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा रहेगी सर्वोच्च प्राथमिकता

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा पर मानसी गंगा मंदिर के नव नियुक्त रिसीवर मनीष बाबा ने विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने का संकल्प व्यक्त करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

मनीष बाबा ने सेवायतों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मंदिर आने वाले सभी श्रद्धालुओं के साथ सम्मानजनक, सहयोगपूर्ण और सौहार्दपूर्ण व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि दर्शन व्यवस्था को सुचारु रखा जाएगा, किसी भी श्रद्धालु को अनावश्यक परेशानी नहीं होने दी जाएगी। साथ ही मंदिर की मर्यादा भंग करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्यभार ग्रहण करने के बाद मनीष बाबा ने गिरिराज महाराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा मंदिर की उन्नति और श्रद्धालुओं के सुख-समृद्धि की कामना की।

मेला समाप्त होते ही चमकाया गोवर्धन परिक्रमा मार्ग

सफाई अभियान चलाकर समेटा गया कचरा और अवशेष

चार लाख श्रद्धालुओं की आस्था के बाद स्वच्छता पर रहा जोर

यूनिक समय, मथुरा। सात दिवसीय मुड़िया मेला और परिक्रमा के बाद गुरुवार को गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। नगर पंचायत, सफाईकर्मियों और संबंधित विभागों की टीमों ने परिक्रमा पथ, भंडारा स्थलों और श्रद्धालुओं के ठहराव वाले स्थानों से बड़ी मात्रा में कचरा और गंदगी हटाकर पूरे क्षेत्र को स्वच्छ बनाया। सफाई अभियान के बाद परिक्रमा मार्ग एक बार फिर साफ-सुथरा और व्यवस्थित नजर आया।

गुरुवार को गोवर्धन परिक्रमा मार्ग से प्लास्टिक युक्त कचरे और गंदगी को समेटते कर्मचारी।

मेला अवधि के दौरान करीब चार लाख श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। परिक्रमार्थियों की सेवा के लिए विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और स्वयंसेवी संस्थाओं ने जगह-जगह भंडारे, पेयजल और विश्राम की व्यवस्थाएं की थीं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी के कारण परिक्रमा मार्ग और भंडारा स्थलों पर कचरा जमा हो गया था। मेला समाप्त होते ही सफाईकर्मियों ने अभियान चलाकर प्लास्टिक, पत्तल, दोने, बोतलें और अन्य अपशिष्ट सामग्री को एकत्र कर उसका निस्तारण कराया।

अधिकारियों ने बताया कि धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से मेला समाप्त होने के तुरंत बाद सफाई अभियान शुरू कराया गया, ताकि स्थानीय लोगों और आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित सफाई और जनजागरूकता से गोवर्धन परिक्रमा मार्ग की पवित्रता और सुंदरता लंबे समय तक बनी रहेगी।

मुड़िया मेला का समापन, रोडवेज और रेलवे ने संभाली वापसी की व्यवस्था

गुरुवार को ट्रेन के इंतजार में जंक्शन पर आराम करते यात्री।

अपने घर तक जाने के लिए ट्रेन में सवार होते यात्री।

पिछले वर्ष की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं की संख्या रही कम

मथुरा जंक्शन से बुधवार को डेढ़ लाख के करीब श्रद्धालुओं ने की यात्रा

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा और मुड़िया मेले के समापन के साथ अब श्रद्धालुओं की घर वापसी होने लगी है। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी और गोवर्धन परिक्रमा के बाद श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य की ओर लौट रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार मेले में श्रद्धालुओं की संख्या कम रही, जिसका असर रोडवेज और रेलवे दोनों की यात्रियों की संख्या पर भी दिखाई दिया।

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की ओर से बुधवार को सुबह से शाम तक लगभग 500 बसें चलाई गई। विभिन्न जिलों से मेले के लिए भेजी गई बसों को अब धीरे-धीरे उनकी डिपो में वापस भेजा जा रहा है। एआरएम कमल किशोर आर्य ने बताया कि मेले के दौरान अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की गई थी। अब श्रद्धालुओं की भीड़ कम होने के साथ बसों को संबंधित डिपो में भेजा जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बसों को चलाया जाएगा।

बुधवार को मथुरा जंक्शन से झांसी के लिए करीब 30 मेला स्पेशल ट्रेनों को चलाया गया था। मथुरा जंक्शन के स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि रेलवे की पूरी टीम लगातार यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।

बुधवार को मथुरा जंक्शन से लगभग 60 हजार टिकट जारी किए गए, जबकि करीब एक लाख 45 हजार यात्रियों ने स्टेशन से यात्रा की। यात्रियों की वापसी को देखते हुए गुरुवार को भी मथुरा से झांसी के बीच करीब 20 मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएगी, ताकि भीड़ का दबाव नहीं रहें। आरपीएफ थाना प्रभारी यूके कौशिक और जीआरपी प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह अपनी-अपनी टीमों के साथ पूरे समय स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर तैनात रहे।

विकास कार्यों की आरटीआई मांगना पड़ा भारी

जांच के दौरान ग्राम प्रधान और सचिव ने शिकायतकर्ता को दी झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी

यूनिक समय, छाता। तहसील अंतर्गत ग्राम नौगांव में विकास कार्यों में अनियमितताओं की शिकायत और आरटीआई मांगना एक ग्रामीण को भारी पड़ गया। गांव पहुंचे जांच अधिकारियों के सामने ही ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव पर शिकायतकर्ता को जानबूझकर झूंठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़ित ने सुरक्षा और कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर संबंधित थाने में लिखित प्रार्थना पत्र दिया है।

ग्राम नौगांव निवासी महेंद्र सिंह ने गांव में कराए गए विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच को लेकर शासन-प्रशासन से शिकायत की थी। पारदर्शिता के तहत महेंद्र सिंह ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्रार्थना पत्र दाखिल कर विकास कार्यों के अभिलेखों की प्रतियां भी मांगी थीं।

जब संबंधित प्रशासनिक अधिकारी विकास कार्यों की धरातलीय जांच करने गांव पहुंचे। आरोप है कि जांच के दौरान ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी आपे से बाहर हो गए। पीड़ित महेंद्र सिंह का आरोप है है कि दोनों ने जांच अधिकारियों के सामने ही उन पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया और ऐसा न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने और झूठे पुलिस मुकदमें में फंसाकर जेल भिजवाने की खुलेआम धमकी दी।

घटना से भयभीत होकर पीड़ित महेंद्र सिंह ने तत्काल संबंधित पुलिस थाने पहुंचकर नामजदों के खिलाफ प्रार्थना पत्र सौंपा। पीड़ित ने पुलिस से अपनी जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए दोषी ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि प्रार्थना पत्र प्राप्त हो गया है, मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जीएलए का केमिस्ट्री विभाग शोध–नवाचार और आधुनिक शिक्षा का संगम

यूनिक समय, मथुरा। विज्ञान और तकनीक के तेजी से बदलते दौर में रसायन विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित विषय नहीं रह गया है, बल्कि स्वास्थ्य, ऊर्जा, पर्यावरण, फार्मास्यूटिकल्स, फूड साइंस, नैनो टेक्नोलॉजी और एडवांस्ड मटेरियल्स जैसी आधुनिक तकनीकों की आधारशिला बन चुका है। ऐसे समय में जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा का केमिस्ट्री विभाग आधुनिक प्रयोगशालाओं, उद्योगोन्मुख शिक्षा, उच्चस्तरीय शोध और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के करियर तैयार कर रहा है।

बीएससी केमिस्ट्री और बीएससी (ऑनर्स) केमिस्ट्री पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के मूल सिद्धांतों के साथ–साथ आधुनिक प्रयोगशाला तकनीकों, विश्लेषणात्मक कौशल और अनुसंधान का प्रशिक्षण दिया जाता है। बीएससी केमिस्ट्री बहुविषयक अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मजबूत आधार प्रदान करती है, जबकि बीएससी (ऑनर्स) केमिस्ट्री शोध, आर एंड डी, फार्मास्यूटिकल्स और एमएससी और पीएचडी जैसे उच्च अध्ययन की दिशा में बेहतर अवसर उपलब्ध कराती है।

विभाग की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं हैं। विद्यार्थियों को यूवी–विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एफटीआईआर, टीजीए, डीएलएस, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्क स्टेशन, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एचपीएलसी, सेंट्रीफ्यूज और

डॉ. दीपक कुमार दास

इलेक्ट्रोफोरेसिस यूनिट्स जैसे आधुनिक उपकरणों पर हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग प्रदान की जाती है। लैब सेफ्टी, डेटा एनालिसिस और मिनी रिसर्च प्रोजेक्ट्स के माध्यम से उन्हें उद्योग और अनुसंधान के लिए तैयार किया जाता है। व्यावहारिक शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए विद्यार्थियों को सन फार्मा,

अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और शानदार करियर अवसरों से सशक्त है विभाग

सीडीआरआई लखनऊ फेयर लैब गुरुग्राम, आईओसीएल, शुगर मिल और वरुण बेवरेज जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में 4 से 6 सप्ताह की समर इंटर्नशिप, इंडस्ट्रियल विजिट, लाइव प्रोजेक्ट्स का अवसर दिया जाता है। आईआईटी, एनआईटी, सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिकों एवं उद्योग विशेषज्ञों के विशेष व्याख्यान भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं।

शोध-नवाचार के क्षेत्र में भी विभाग लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। विभाग के शिक्षकों द्वारा एल्सेवियर, एसीएस, वाइली और स्प्रिंगर जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों की प्रतिष्ठित जर्नल्स में सैकड़ों शोध पत्र प्रकाशित किए जा चुके हैं। विभाग के नाम छह ग्रांटेड, 40 पब्लिश्ड पेटेंट हैं। डीएसटी, एसईआरबी, सीएसटी–यूपी, सीएसआईआर जैसी संस्थाओं से प्रायोजित शोध परियोजनाएं संचालित हैं, जिनसे विद्यार्थियों को अत्याधुनिक अनुसंधान का अनुभव प्राप्त होता है।

विद्यार्थियों की उपलब्धियां भी विभाग की गुणवत्ता को दर्शाती हैं। पिछले तीन वर्षों में 18 विद्यार्थियों ने आईआईटी–जैम और गेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर आईआईटी, एनआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों के साथ–साथ इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पोलैंड के विश्वविद्यालयों में पीएचडी के लिए प्रवेश हासिल किया है। वहीं कई विद्यार्थियों का चयन सन फार्मा, मैनकाइंड और जुबिलेंट लाइफ साइंसेज जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ है।

विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार दास ने कहा कि रसायन विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन और आधुनिक तकनीक के विकास का आधार है। जीएलए विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान क्षमता, नवाचार और व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाना है, ताकि वे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट करियर बनाने के साथ समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

सरकारी स्कूलों में बदली पढ़ाई की तस्वीर

स्मार्ट क्लास से बढ़ा बच्चों का भविष्य

प्राथमिक विद्यालय गौसना में एलईडी स्क्रीन पर पढ़ाते प्रधानाचार्य गोवर्धनदास गुप्ता साथ में शिक्षक।

यूनिक समय, मथुरा। सरकारी स्कूलों की तस्वीर अब तेजी से बदल रही है। पहले जहां लोग सरकारी स्कूलों को सिर्फ मुफ्त पढ़ाई और भोजन तक सीमित मानते थे, वहीं अब यहां स्मार्ट तरीके से पढ़ाई कराई जा रही है। एलईडी स्क्रीन पर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है, जिससे पढ़ाई आसान और रोचक बन गई है। यही वजह है कि अब आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के साथ–साथ अन्य अभिभावक भी सरकारी स्कूलों में बच्चों को पढ़ा रहे है।

जिले के अधिकतर सरकारी स्कूलों में पिछड़ी जाति और अनुसूचित जाति के बच्चे मजबूरी में पढ़ रहे है। क्योंकि आर्थिक संकट वजह बन रहा है,वहीं

एलईडी पर हो रही पढ़ाई अभिभावकों का बढ़ा भरोसा

शिक्षक घर–घर जाकर करा रहे नामांकन

सामान्य जाति के बच्चे तो करीब 15 प्रतिशत की सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे है। कक्षाओं में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से चित्र, वीडियो और अन्य शैक्षणिक सामग्री दिखाकर पढ़ाया जा रहा है। इससे बच्चों को विषय आसानी से समझ में आते हैं और उनकी पढ़ाई में रुचि भी बढ़ रही है। विद्यालय के शिक्षक केवल

रामा

मधु

शमशाद

संजू

रामवती

स्कूल तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि गांव–गांव और घर–घर जाकर अभिभावकों से मिल रहे हैं। वे बच्चों को नियमित स्कूल भेजने और नए बच्चों का प्रवेश कराने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

कक्षा दो के छात्र यतिन की मां रामा ने बताया कि परिवार की आय कम होने के कारण निजी स्कूल में पढ़ाना संभव नहीं है। सरकारी स्कूल में अच्छी पढ़ाई के साथ मध्यान्ह भोजन भी मिलता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई बिना किसी आर्थिक बोझ के चल रही है। कक्षा पांच के छात्र यीशु की मां मधु का कहना है कि अब सरकारी स्कूलों में भी निजी स्कूलों जैसी पढ़ाई होने लगी है। बच्चों को स्मार्ट क्लास में पढ़ाया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर सभी लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाएं तो इन स्कूलों की तस्वीर और भी बेहतर हो जाएगी। अभिवावक शमशाद ने बताया कि वह और उनकी पत्नी मजदूरी करते हैं। सीमित आय के कारण निजी स्कूल की फीस भरना मुश्किल है। सरकारी स्कूल में बच्चों को अच्छी शिक्षा और मुफ्त भोजन मिल रहा है, जिससे परिवार को राहत मिलती है।

छात्रा गोरी के पिता संजू ने कहा कि पहले की तुलना में अब सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का तरीका पूरी तरह बदल गया है। एलईडी स्क्रीन पर पढ़ाई होने से बच्चों को हर विषय आसानी से समझ में आता है और वे खुशी–खुशी स्कूल जाते हैं। कक्षा पांच के छात्र कृष्ण की मां रामवती ने कहा कि परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं है। ऐसे में कर्ज लेकर निजी स्कूल में पढ़ाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि सरकारी स्कूल में भी अच्छी और आधुनिक शिक्षा मिल रही है।

प्राथमिक विद्यालय गौसना के प्रधानाध्यापक गोवर्धनदास गुप्ता ने बताया कि इस सत्र में अब तक करीब 75 नए बच्चों का प्रवेश हो चुका है। स्कूल में नियमित रूप से एलईडी के माध्यम से पढ़ाई कराई जा रही है। शिक्षक लगातार गांव में जाकर लोगों को सरकारी स्कूलों की सुविधाओं और अच्छी पढ़ाई के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

स्टेशन पर मिला गुम हुआ कासगंज का किशोर

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस ने कासगंज से गुम हुए एक किशोर को स्टेशन से बरामद कर परिवार के सुपुर्द किया। थाना प्रभारी जीआरपी प्रदीप कुमार ने बताया कि वह पुलिस पार्टी के साथ स्टेशन पर चेकिंग और सुरक्षा व्यवस्था के लिए गश्त कर रहे थे। इसी बीच प्लेटफॉर्म संख्या एक पर एक 16 वर्षीय किशोर दिखाई दिया। पुलिस ने उससे थाने लाकर पूछताछ की तो उसने बताया कि वह कासगंज का रहने वाला है। पुलिस ने

पुलिस ने परिवार को बुलाकर किशोर को सौंपा

जानकारी करने के बाद किशोर के परिवार को उसके मथुरा जंक्शन पर मिलने की जानकारी दी। पुलिस जानकारी मिलने पर परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली। कासगंज से आए परिवारीजनों को पुलिस ने उसको सौंप दिया।

हत्या के प्रयास में वांछित गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, कन्हैया निवासी सिद्धार्थनगर थाना यमुनापार ने 26 जुलाई को थाने में तहरीर दी थी कि अभियुक्त कपिल द्वारा अपनी पत्नी के साथ मिलकर उसके भाई धीरज को शराब पिलाकर गाली गलौज करते हुए जानसे मारने की नीयत से लाठी -डंडों से मारपीट कर गंभीर घायल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में वांछित चल रहे कपिल निवासी आयरा खेड़ा थाना राया गुरुकुल स्कूल वृंदावन के खाली ग्राउंड से गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर हत्या के प्रयास में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया है।

हंसता आईना

सार्वजनिक सूचना

मैं सानुद्दीन खान पुत्र श्री फकरुद्दीन निवासी साहबनगर भाग जटवारी तह. छाता जिला मथुरा सूचित करता हूँ कि मेरे ड्राईविंग लाईसेंस में मेरा नाम SHYANUDDIN गलत दर्ज हो गया है, जबकि मेरा वास्तविक सही नाम SANUDDIN KHAN है, जो सत्य है, ड्राईविंग लाईसेंस में सही नाम SANUDDIN KHAN दर्ज किया जाये।

NAME CHANGE

I, Shoham Agarwal S/o Sh. Abhishek Purushottam Agarwal & Mrs. Roopam Abhishek Agarwal R/o Divya B 703, Shri Radha Valley NH-19 Mathura Hereby Declare That Have Changed My Name to Soham Agarwal S/o Sh. Avishek Agarwal & Mrs. Roopam Agarwal For All Future Purposes.

सार्वजनिक सूचना

मैं राज कुमार पुत्र राम प्रसाद निवासी 107 सेक्टर 3 राधापुरम एस्टेट, गनेशरा रोड मथुरा सूचित करता हूँ कि मेरी प्लॉट से संबंधित मूल बैनामा/रजिस्ट्री, जो श्री सतीश कुमार पुत्र स्व. नरपत सिंह द्वारा दिनांक 12.06.2024 को मेरे पक्ष में निष्पादित की गई उक्त जमीन को सतीश कुमार ने पूर्व में एस.जे.पी. ग्लोबल से दि0 21.05.2024 को खरीदा था जिसका वही नं 1 जिल्द सं 19231 के सफा 349/370 पर नंबर 12192 पर दर्ज है, जो रास्ते में कही गिर गयी है जिसका प्रयोग अवैध होगा।

मोर मुकुट, बंसी और नई पोशाकों से सजेंगे लड्डू गोपाल

हरियाली तीज से जन्माष्टमी तक बढ़ी पूजा सामग्री की मांग

यूनिक समय, मथुरा। सावन मास शुभारंभ के साथ ही ठाकुरजी के श्रृंगार की तैयारियां तेज हो गई हैं। मंदिरों और घरों में विराजमान लड्डू गोपाल को पूरे सावन में प्रतिदिन नई–नई पोशाकें, मोर मुकुट, बंसी, आभूषण और आकर्षक श्रृंगार सामग्री धारण कराई जाएगी। धार्मिक नगरी मथुरा और वृंदावन के बाजारों में भी सावन को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। श्रद्धालु अपने आराध्य के लिए रंग–बिरंगी पोशाकें, मोर पंख से सजे मुकुट, बांसुरी, हार, कंगन और अन्य सजावटी सामग्री की खरीददारी कर रहे हैं।

भक्तों का मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल की प्रेमपूर्वक सेवा और श्रृंगार करने से घर में

लड्डू गोपाल के श्रृंगार के लिए बाजार में बिक्री को उपलब्ध पोशाक।

सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। सावन में प्रतिदिन अलग–अलग रंगों की पोशाक पहनाने, झूला झुलाने और माखन–मिश्री, फल और विभिन्न प्रकार के भोग अर्पित करने की परंपरा है। मोर मुकुट और बंसी धारण किए लड्डू गोपाल का मनोहारी स्वरूप श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित करता है।

पोशाक कारोबारियों के अनुसार, सावन शुरू होते ही धार्मिक वस्तुओं की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। हरियाली तीज, नाग पंचमी, रक्षाबंधन और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे प्रमुख पर्वों को देखते हुए बाजारों में नई डिजाइनों की पोशाकें और श्रृंगार सामग्री उपलब्ध कराई गई है। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार भगवान के लिए विशेष वस्त्र और आभूषण खरीद रहे हैं। धार्मिक मान्यता है कि भगवान का श्रृंगार केवल परंपरा नहीं, बल्कि भक्त और भगवान के बीच प्रेम, समर्पण और अटूट आस्था का प्रतीक है। यही कारण है कि सावन के पूरे महीने मंदिरों और घरों में भक्ति, उत्साह और उल्लास का वातावरण बना रहता है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

110 ग्राम पंचायतों में शुरू हुई आधार सेवाओं की सुविधा

छह जिलों की पंचायतों में सेवाएं हुईं प्रारंभ

अब ग्रामीणों को शहर जाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं का विस्तार करते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर आधार नामांकन और अपडेट की सुविधा शुरू कर दी है। पहले चरण में छह जिलों की 110 ग्राम पंचायतों में आधार सेवा केंद्र संचालित किए गए हैं, जिससे ग्रामीणों को आधार कार्ड बनवाने या उसमें संशोधन कराने के लिए शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

इन केंद्रों पर नए आधार कार्ड बनवाने के साथ नाम, पता, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि और बायोमेट्रिक विवरण अपडेट कराने जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। योजना शुरू होने के बाद अब तक 75 हजार से अधिक आधार संबंधी सेवाएं ग्रामीणों को प्रदान की जा चुकी हैं, जिससे लोगों को समय और धन दोनों की बचत हो रही है।

पंचायती राज विभाग के अनुसार, प्रदेश की सभी 57,694 ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से आधार सेवा केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पहले चरण में पांच हजार ग्राम पंचायतों को इस योजना से जोड़ने की प्रक्रिया जारी है। वर्तमान में लखनऊ, अयोध्या, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और बलरामपुर की 110 ग्राम पंचायतों में यह सुविधा शुरू हो चुकी है। योजना के प्रभावी संचालन के लिए पंचायत सहायकों को आधार ऑपरेटर के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। अब तक 1,200 से अधिक पंचायत सहायकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसके साथ ही 179 ऑपरेटर आईडी सक्रिय की गई हैं और 157 आधार मशीनें भी कार्यरत हो चुकी हैं। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक ग्राम पंचायत को आधुनिक डिजिटल सेवा केंद्र के रूप में विकसित करना है, ताकि ग्रामीणों को सरकारी सेवाएं उनके गांव में ही आसानी से उपलब्ध हो सकें। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल पहुंच मजबूत होगी, प्रशासनिक सेवाएं अधिक सुलभ बनेंगी और लोगों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलेगी।

आखिरकार खोज निकाला माधव का शव

तीन सदस्यीय टीम के निर्देशन में काफी प्रयास के बाद मिली सफलता

यमुना में रहने से उठ रही थी दुर्गंध, हुआ पोस्टमार्टम

यूनिक समय, बल्देव। थाना क्षेत्र छौली गांव में मां द्वारा तीन वर्षीय बेटे की हत्या कर दफनाया गया माधव का शव 31 दिन बाद गुरुवार को यमुना नदी के ब्रह्मांड घाट से बरामद किया गया। नायब तहसीलदार प्रदुम्न त्रिपाठी, सीएचसी बलदेव प्रभारी डॉ. विजेंद्र सिंह सिसौदिया और थाना प्रभारी अभय कुमार शर्मा की तीन सदस्यीय टीम की निगरानी में चलाए गए अभियान के दौरान पहले परिजनों और ग्रामीणों ने प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद शव बाहर निकाला। लंबे समय तक पानी में रहने से शव से तेज दुर्गंध उठने से परेशानी हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी अभय कुमार शर्मा ने बताया शव बरामद कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बेटे की हत्यारिन को पुलिस ने भेजा जेल

यूनिक समय मथुरा। थाना बल्देव के गांव छौली में प्रेमी से फोन पर बातचीत किए जाने पर शोर कर परेशान करने वाले तीन साल के माधव की गला दबाने वाली कलयुगी मां को पुलिस ने जेल भेज दिया।

गौरतलब है कि गांव छौली में करीब एक माह पूर्व फोन पर प्रेमी के साथ बातचीत करने के दौरान शोर करके व्यवधान करने वाले तीन साल के माधव की गुस्से में मां ने गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद पति कृष्ण मुरारी को माधव के नींद से न जागने की बात कहकर बुलाया। कृष्ण मुरारी बेटे को सिम्स हॉस्पिटल ले गया। माधव को कई चिकित्सकों को दिखाया, सभी ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता और परिवार के लोगों ने उसका शव यमुना किनारे गाढ़ दिया। पिता को शक होने पर उसने पत्नी से उसके प्रेमी रोहित के बारे में जानकारी की। पहले तो वह पति को टालती रही, लेकिन बाद में उसने बेटी की गला दबा कर हत्या करने की बात को स्वीकार लिया। कृष्ण मुरारी ने पत्नी के खिलाफ थाना बल्देव में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया।

शादी से पहले से थे प्रेमी से संबंध

यूनिक समय, मथुरा। माधव की मां रुचि जिंदल के विवाह से पहले और विवाह के बाद भी फरह क्षेत्र के गांव बरारी निवासी एक युवक से प्रेम संबंध थे। 28 जून को मोबाइल पर बातचीत के दौरान बाधा बनने पर उसने पुत्र की गला दबाकर हत्या कर दी थी।

ठाकुरजी संभालो कारोबार

प्रमुख संवाददाता

पार्टनर शिप के रूप में शामिल करते हैं कारोबारी

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी दिल्ली समेत कई राज्यों के कारोबारियों के लिए उम्मीद की आस है। उन्होंने अपने कारोबार में ठाकुर बांकेबिहारी को पार्टनर बना रखा है। कारोबार से होने वाली आय में ठाकुरजी का भी हिस्सा होता है, इसलिए उनका कारोबार आगे बढ़ रहा है।

मंदिर के सेवायत आनंद बिहारी गोस्वामी का कहना है कि कई शहरों के व्यापारियों ने ठाकुर बांकेबिहारी को पार्टनर बना रखा है। उनको विश्वास है कि ठाकुर जी उनके पार्टनर होंगे तो फायदा ही फायदा होगा। कारोबारी साल में एक बार यहां आकर ठाकुर बांकेबिहारी की पार्टनरशिप का हिस्सा किसी न किसी रुप में भेंट कर जाते हैं। भविष्य के लिए वह ठाकुरजी के दरबार में प्रार्थना भी कर जाते हैं।

सेवायत प्रहलाद गोस्वामी का भी कहना है कि कारोबारी अपना नया कारोबार प्रारंभ करने से पहले यहां आकर माथा टेकते हैं। फिर ठाकुरजी से कारोबार में पार्टनर होने का वायदा कर ठाकुर बांकेबिहारी का चित्रपट की पूजा कराकर अपने साथ ले जाते हैं। उस चित्रपट को कारोबार स्थल पर गद्दी पर लगाकर बोलते हैं अब ठाकुरजी आप संभालिए। आस्था और विश्वास के साथ कारोबारी का कारोबार आगे बढ़ता चला जाता है।

वहीं, ठाकुर राधाबल्लभ लाल और ठाकुर राधारमणलाल मंदिर के भक्त भी अपने प्रतिष्ठान में उनके चित्रपट लगाकर पार्टनर स्वरुप का भाव रखते हैं। सभी कारोबारियों के मन में ठाकुरजी के प्रति यही विश्वास रहता है कि उनके सामने हम कुछ नहीं है। मेहनत हम करेंगे और संभालेंगे ठाकुरजी। अनेक भक्त गोवर्धन स्थित गिरिराज महाराज के भी हैं। यहां आने वाले भक्त उनके सामने माथा टेककर सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगते हैं। कोई दंडवती परिक्रमा लगाता है तो कोई परिक्रमा लगाता है। सभी के मन में विश्वास की भावना रहती है। यही विश्वास उनको प्रगति के रास्ते पर ले जाता है।

भक्तों ने श्रावण मास के पहले दिन बनाएं 1.11 लाख पार्थिव शिवलिंग

प्रियाकांत जू मंदिर पर 21 लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण-महाशिवपुराण कथा का आयोजन

शिव न्याय के देवता, जैसा आचरण करोगे, वैसा ही फल देंगे: देवकीनंदन

आरएसएस प्रचारक को पुस्तक भेंट करते देवकी नंदन।

यूनिक समय, वृंदावन। श्रावण मास के प्रथम दिन प्रियाकांत जू मंदिर पर हजारों शिव भक्तों ने ब्रज की माटी से पार्थिव शिवलिंग निर्माण कर पूजा अर्चना की। देवकीनंदन के साथ राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के इंद्रेश ने रूद्राभिषेक कर विश्व शांति की कामना की। सांयकाल में श्रद्धालुओं ने महाशिवपुराण का श्रवण किया।

गुरुवार को छटीकरा मार्ग स्थित प्रियाकांत जू मंदिर पर श्रद्धालुओं ने ब्रज की माटी से एक लाख पार्थिव शिवलिंग बनाए, मंत्रोच्चारण के बीच पंचामृत, फल- बेलपत्र से पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक किया। महाशिवपुराण कथा से पूर्व आरएसएस के वरिष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इन्द्रेश, प्रचारक रूपेश, डा. दयालु और मुख्य यजमान ने व्यासपीठ पूजन किया।

शनिवार को आएंगी राज्यपाल

मंदिर मीडिया प्रभारी जगदीश वर्मा ने बताया कि शनिवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल प्रियाकांत जू मंदिर में आयोजित पार्थिव शिवलिंग अभिषेक, पूजन-महाशिव पुराण कथा में भाग लेंगी। वह प्रातः 10.30 पर मंदिर पहुंचेंगी। देवकीनंदन से भेंट के बाद रूद्राभिषेक करेंगी। सांय चार बजे से सेवाकार्यों में सहभागिता के बाद शिवमहापुराण कथा का श्रवण करेंगी।

इन्द्रेष ने कहा कि सृष्टि के आरंभ और अंत में शिव ही हैं। उनकी विशेषता है कि वे सभी को प्रेम करते हैं। देवकीनंदन ने कहा कि शिव न्याय के देवता हैं। मनुष्य जैसा गुण धारण करता है, शिव वैसा ही फल प्रदान करते हैं।

संतों का सम्मान कर 71 दीप जलाए समाज में सुख-शांति की कामना

यूनिक समय, चौमुहां। कस्बा स्थित ब्रह्मा जी मंदिर परिसर में भाजपा नेता-ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शोभाराम शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने संत सम्मान-दीप प्रज्वलन कार्यक्रम किया। शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान संतों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद लिया और समाज में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए 71 दीप प्रज्वलित किए गए।

कार्यक्रम में राधा मोहन जी गौशाला के संचालक-यमुना रक्षक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत जयकृष्ण दास का अंगवस्त्र-स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। ब्रह्मा जी मंदिर के महंत धनीराम बाबा का भी सम्मान कर आशीर्वाद लिया गया। धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्वलित कर राष्ट्र और समाज की उन्नति की प्रार्थना की।

अतिथि के रूप में उपस्थित ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पंडित शोभाराम शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में संतों का स्थान सर्वोपरि है। संत समाज को सही दिशा देने का कार्य करते हैं और उनके मार्गदर्शन से सामाजिक समरसता, नैतिकता और आध्यात्मिक चेतना का विकास होता है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष मुदिता शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति संतों की परंपरा पर आधारित रही है। संतों के आदर्श और उनके संदेश आज भी समाज को एकजुट रखने की प्रेरणा देते हैं। आयोजन में राजाराम शर्मा, सियाराम शर्मा, डॉ राजवीर सिंह, मुरारी सिंह मंडल अध्यक्ष, राजू पहलवान, जगन्नाथ सिंह, कालू पहलवान, माधव, शिवराम सिंह, राहुल शर्मा, मुकेश सिसोदिया उपस्थित रहे।

वृंदावन में बढ़ता नशे का जाल, बचपन भी हो रहा प्रभावित

मंदिर क्षेत्रों के आसपास बच्चों में नशे की प्रवृत्ति बढ़ने से चिंता

नशे की गिरफ्त में युवा चोरी और असामाजिक गतिविधियों का खतरा

यूनिक समय, वृंदावन। धार्मिक नगरी में नशे की समस्या धीरे-धीरे गंभीर रूप लेती जा रही है। अब इसका असर बच्चों और किशोरों तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के अनुसार, मंदिरों के आसपास और कुछ प्रमुख इलाकों में कई बच्चों को नशे की हालत में देखा जा रहा है। चंदन की कटोरी लेकर घूमने वाले कुछ बच्चों में भी नशे की आदत बढ़ने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

जानकारों का कहना है कि नशे की यह प्रवृत्ति बच्चों के भविष्य के लिए बेहद चिंताजनक है। कम उम्र में नशे की गिरफ्त में आने से उनका शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित हो सकता है। कई बार नशे की जरूरत पूरी करने के लिए बच्चे गलत रास्तों पर भी चले जाते हैं। चोरी जैसी घटनाओं में शामिल होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, सुबह के समय कुछ सुनसान क्षेत्रों में युवाओं को नशीले पदार्थों और इंजेक्शन का इस्तेमाल करते देखा जाता है। अब यह आदत बच्चों तक पहुंचना चिंता का विषय बन गया है। वहीं, कुछ स्थानों पर लोग शराब या अन्य नशे के प्रभाव में सड़क किनारे पड़े दिखाई देते हैं, जिससे राहगीरों को भी परेशानी होती है।

सामाजिक संगठनों का कहना है कि नशे की समस्या से निपटने के लिए केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि जागरूकता और पुनर्वास की भी जरूरत है। बच्चों को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, समाज और प्रशासन को मिलकर प्रयास करने होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या आने वाली पीढ़ी के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। प्रशासन से मांग की जा रही है कि नशे के कारोबार पर सख्ती से रोक लगाई जाए और प्रभावित बच्चों को सही मार्गदर्शन-सहायता उपलब्ध कराई जाए।

सुविचार

समय की कद्र करने वाले ही सफलता की कहानी लिखते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया 09:30-10:31 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	शतभिषा 07:26-08:45 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय	5:46 AM	चन्द्रोदय	08:18 PM
सूर्यास्त	7:05 PM	चंद्रास्त	07:58 AM
सूर्य राशि	कर्क राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त	11:59AM–12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	10:45 AM: 12:25 PM	वार	कुंभ

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। निवेश सोच–समझकर करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, यात्रा लाभदायक होगी।

वृषभः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। रिश्तों में मधुरता आएगी। व्यवसाय में लाभ मिलेगा। खानपान संतुलित रखें, तनाव दूर रहेगा।

मिथुनः नौकरी में सफलता मिलेगी। नई योजनाएं लाभ देंगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। खर्च नियंत्रित रखें। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे।

कर्कः मेहनत का पूरा फल मिलेगा। व्यापार में उन्नति होगी। संतान से शुभ समाचार मिलेगा।

सिंहः पद–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कन्याः नई शुरुआत के लिए दिन अनुकूल रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ होगा।

तुलाः रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा। सोच–समझकर निर्णय लें। मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिकः व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। नौकरी में प्रगति होगी। पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनुः भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। शिक्षा और करियर में सफलता मिलेगी। निवेश लाभ देगा। परिवार में मांगलिक वातावरण रहेगा। यात्रा शुभ रहेगी।

मकरः कार्यक्षेत्र में नई उपलब्धि मिलेगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। सेहत अच्छी रहेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कुंभः रुके हुए कार्य पूरे होंगे। आर्थिक लाभ के योग हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। धैर्य बनाए रखें।

मीनः मनचाही सफलता मिलने के संकेत हैं। व्यापार में लाभ होगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

सावन में दही और कढ़ी खाने से क्यों किया जाता है परहेज

धार्मिक मान्यताओं में सात्विक भोजन को मिला विशेष महत्व

आयुर्वेद भी रोकता है बरसात में दही खाने से

यूनिक समय, मथुरा। भगवान शिव को समर्पित पवित्र सावन मास का शुभारंभ होते ही श्रद्धालु व्रत, पूजा, रुद्राभिषेक और सात्विक भोजन का पालन शुरू कर देते हैं। इस दौरान खान–पान से जुड़े कई नियमों का पालन किया जाता है। इन्हीं में दही, कढ़ी, रायता और अन्य दही से बने खाद्य पदार्थों का सेवन न करने की परंपरा भी शामिल है। इसके पीछे धार्मिक मान्यताओं के साथ–साथ आयुर्वेद और वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी जुड़े हुए हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन का महीना तप, संयम और सात्विक जीवन का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान हल्का, शुद्ध और सुपाच्य भोजन ग्रहण करने की सलाह दी जाती है। कई परंपराओं में दही, कढ़ी और अधिक खट्टे खाद्य पदार्थों का सेवन वर्जित माना गया है। मान्यता है कि भगवान शिव की आराधना के समय सात्विक आहार अपनाने से मन और शरीर दोनों शुद्ध रहते हैं तथा साधना में एकाग्रता बढ़ती है।

आयुर्वेद के अनुसार सावन वर्षा ऋतु का प्रमुख समय होता है। इस मौसम में वातावरण में नमी बढ़ने से पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। दही का स्वभाव भारी और कफ बढ़ाने वाला माना जाता है। ऐसे में अधिक मात्रा में दही या उससे बने खाद्य पदार्थ खाने से सर्दी–जुकाम, गले की परेशानी, अपच और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसी कारण विशेषकर रात के समय दही खाने से बचने की सलाह दी जाती है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

वैज्ञानिक दृष्टि से भी वर्षा ऋतु में सावधानी बरतना आवश्यक माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार बरसात में पशुओं के चारे पर नमी और सूक्ष्म जीवों का प्रभाव बढ़ जाता है, जिससे दूध की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। ऐसे दूध से बने उत्पादों का अधिक सेवन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सावन में ताजे फल, हरी सब्जियां, मूंग की दाल, लौकी, तोरई, परवल और सीमित मात्रा में घी का सेवन अधिक लाभकारी माना जाता है। संतुलित एवं सात्विक भोजन अपनाने से न केवल धार्मिक परंपराओं का पालन होता है, बल्कि शरीर भी स्वस्थ और ऊर्जावान बना रहता है।

घर में उगा बरगद देता है शुभ संकेत, रखें सावधानी

धार्मिक मान्यताओं में वटवृक्ष को मिला विशेष स्थान

मजबूत जड़ें घर की नींव को पहुंचा सकती है नुकसान

यूनिक समय, मथुरा। कई बार घर की दीवार, आंगन, छत या किसी गमले में अचानक बरगद का छोटा पौधा उग आता है। इसे देखकर लोग अक्सर सोच में पड़ जाते हैं कि यह शुभ संकेत है या किसी अशुभ घटना का संकेत। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घर में बरगद का पौधा अपने आप उगना अशुभ नहीं माना जाता, बल्कि इसे ईश्वर की कृपा और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है।

सनातन धर्म में बरगद, जिसे वटवृक्ष भी कहा जाता है, अत्यंत पवित्र माना गया है। मान्यता है कि इस वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और भगवान शिव का वास होता है। इसी कारण वटवृक्ष की पूजा का विशेष महत्व है। वट सावित्री व्रत के अवसर पर विवाहित महिलाएं बरगद की पूजा कर पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। हालांकि धार्मिक दृष्टि से यह शुभ माना जाता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से बरगद के पौधे को घर के भीतर बढ़ने देना उचित नहीं माना जाता। इसकी जड़ें समय के साथ काफी गहरी और मजबूत हो जाती हैं, जो दीवारों, फर्श और भवन की नींव को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए विशेषज्ञ भी इसे समय रहते सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की सलाह देते हैं।

यदि घर में बरगद का पौधा उग आए तो उसे सावधानीपूर्वक निकालकर किसी मंदिर परिसर, खुले मैदान, पार्क या ऐसे स्थान पर लगा देना चाहिए, जहां उसके बढ़ने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध हो। इससे पौधा भी सुरक्षित रहेगा और भवन को भी किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचेगी।

धार्मिक मान्यता यह भी है कि बरगद के पत्ते पर अपनी मनोकामना लिखकर उसे बहते जल में प्रवाहित करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हालांकि यह आस्था का विषय है। कुल मिलाकर घर में बरगद का पौधा उगने पर घबराने के बजाय उसे उचित स्थान पर रोपना ही सबसे उचित और शुभ माना जाता है।

अगस्त में इन तीन राशियों पर किस्मत रहेगी मेहरबान

करियर और कारोबार में मिलेंगे सफलता के नए अवसर

प्रेम संबंधों और आर्थिक स्थिति में आएगा सकारात्मक बदलाव

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार अगस्त 2026 का महीना तीन राशियों के लिए बेहद शुभ माना जा रहा है। ग्रहों की अनुकूल स्थिति और सावन मास के प्रभाव से मेष, सिंह और धनु राशि के जातकों को करियर, कारोबार, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक जीवन में सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं। यह ज्योतिषीय अनुमान है, जिसका आधार पारंपरिक मान्यताएं हैं।

मेष राशि के जातकों का आत्मविश्वास बढ़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। व्यवसाय में लाभ के योग बन रहे हैं, वहीं अविवाहित लोगों के जीवन में नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है।

सिंह राशि वालों के लिए भी अगस्त लाभदायक रहने का अनुमान है। कार्यक्षेत्र में प्रशंसा, पदोन्नति और विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं।

व्यापार में पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है, जबकि दांपत्य और पारिवारिक जीवन में मधुरता बढ़ सकती है। धनु राशि के जातकों के लिए भाग्य का साथ मिलने के संकेत हैं। शिक्षा, नौकरी और निवेश से जुड़े कार्यों में सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ परिवार में शुभ कार्य संपन्न होने की संभावना भी जताई गई है।

सुल्तानगंज से ही क्यों भरा जाता है बाबा बैद्यनाथ के लिए गंगाजल

यूनिक समय, मथुरा। सावन मास शुरू होते ही बिहार के भागलपुर जिले स्थित सुल्तानगंज एक बार फिर "बोल बम" के जयघोष से गूंज उठा है। देशभर से लाखों कांवड़िये यहां पहुंचकर गंगा स्नान करते हैं, गंगाजल भरते हैं और करीब 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक करते हैं। ऐसे में अक्सर सवाल उठता है कि जब गंगा देश के कई राज्यों से होकर बहती है, तब श्रद्धालु सुल्तानगंज से ही गंगाजल भरने को इतना विशेष क्यों मानते हैं।

सुल्तानगंज का सबसे बड़ा धार्मिक महत्व यहां बहने वाली उत्तरवाहिनी गंगा है। सामान्यतः गंगा पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर बहती है, लेकिन सुल्तानगंज में नदी की धारा कुछ दूरी तक उत्तर दिशा की ओर मुड़ जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार उत्तरवाहिनी गंगा में स्नान, दान, जप और पूजा का पुण्य कई गुना अधिक माना जाता है। इसी कारण यहां का गंगाजल अत्यंत पवित्र माना जाता है और बाबा बैद्यनाथ के जलाभिषेक के लिए इसी जल को विशेष महत्व दिया जाता है।

उत्तर वाहिनी गंगा बनाती है इस तीर्थ को बेहद पवित्र स्थान

सुल्तानगंज में गंगा के बीच स्थित प्राचीन अजगैबीनाथ महादेव मंदिर भी इस यात्रा का प्रमुख केंद्र है। श्रद्धालु सबसे पहले मंदिर में भगवान शिव के दर्शन करते हैं, इसके बाद गंगाजल भरकर देवघर के लिए संकल्प लेते हैं। मान्यता है कि यही कांवड़ यात्रा का पारंपरिक और पवित्र प्रारंभिक स्थल है।

विशेषज्ञों के अनुसार सुल्तानगंज में गंगा के उत्तरवाहिनी बनने का कारण यहां मौजूद प्राचीन ग्रेनाइट की चट्टानें और पहाड़ियां हैं, जिनसे टकराकर नदी की धारा कुछ दूरी तक उत्तर दिशा में बहती है और फिर पूर्व की ओर मुड़ जाती है। यह प्राकृतिक विशेषता देश में बहुत कम स्थानों पर देखने को मिलती है। धार्मिक परंपराओं में यह भी मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने वनवास काल में सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक किया था। यही आस्था आज भी लाखों श्रद्धालुओं को इस पवित्र यात्रा से जोड़ती है। कांवड़िये पूरी यात्रा के दौरान गंगाजल को भूमि पर नहीं रखते और "बोल बम" के जयघोष के साथ अपनी कठिन पदयात्रा पूरी कर बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

सम्पादकीय

लोकतंत्र का टिकट या राजनीति की खुली नीलामी

उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी टिकट हमेशा चर्चा का विषय रहे हैं, लेकिन यदि किसी दल में टिकट और मुलाकात की कीमत तय होने के आरोप सार्वजनिक रूप से सामने आने लगें, तो सवाल केवल एक पार्टी पर नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र पर खड़े होते हैं। हालिया स्टिंग रिपोर्ट में बसपा नेताओं पर टिकट और मुलाकात के बदले मोटी रकम मांगने के जो आरोप लगे हैं, वे यदि सही साबित होते हैं तो यह लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। वहीं यदि आरोप गलत हैं, तो संबंधित पक्ष को तथ्यों के साथ जनता के सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

पवन गौतम
संपादक

विडंबना देखिए, लोकतंत्र में कभी जनता का आशीर्वाद सबसे बड़ा टिकट माना जाता था, लेकिन अब आरोप यह हैं कि पहले "टेबल पर लिफाफा" और फिर चुनाव मैदान। ऐसा लगता है कि राजनीति भी अब किसी प्रीमियम क्लब की सदस्यता बनती जा रही है, जहां प्रवेश शुल्क करोड़ों में है। ऐसे में आम कार्यकर्ता सोच रहा होगा कि वर्षों तक धूप–बारिश में झंडा उठाने का मूल्य क्या केवल पोस्टर लगाने तक ही सीमित है? उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबे समय से यह चर्चा रही है कि चुनाव लड़ना लगातार महंगा होता जा रहा है। यदि टिकट का आधार संगठन, संघर्ष और जनसेवा के बजाय आर्थिक क्षमता बन जाए, तो लोकतंत्र धीरे–धीरे जनप्रतिनिधित्व से धनप्रतिनिधित्व की ओर बढ़ने लगता है। तब योग्य, ईमानदार और सीमित संसाधनों वाले लोग राजनीति में आने से पहले ही बाहर हो जाते हैं।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

व्यंग्य यही है कि अब शायद चुनावी घोषणापत्र से पहले "रेट लिस्ट" पढ़ने की जरूरत पड़ जाए। सामान्य मुलाकात का अलग शुल्क, टिकट का अलग और उम्मीदों का अलग हिसाब! यदि लोकतंत्र की सीढ़ियां नोटों के बंडलों से बनेंगी तो जनता की आवाज उन सीढ़ियों तक पहुंच भी पाएगी या नहीं, यह बड़ा सवाल है। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी स्टिंग या आरोप को अंतिम सत्य मानने से पहले निष्पक्ष जांच हो। लोकतंत्र में न्याय का आधार प्रमाण होते हैं, केवल आरोप नहीं। जांच एजेंसियों और निर्वाचन आयोग को ऐसे मामलों की गंभीरता से पड़ताल करनी चाहिए ताकि सच सामने आए और जनता का भरोसा बना रहे। उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी राजनीतिक प्रयोगशाला माना जाता है। यहां से जो राजनीतिक संदेश जाता है, उसका असर पूरे देश पर पड़ता है। इसलिए राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा कि टिकट का पैमाना धनबल नहीं, जनबल बने। लोकतंत्र की असली ताकत नोटों की गड्डियां नहीं, बल्कि मतदाता की उंगली पर लगी स्याही है। यदि राजनीति बाजार बन गई, तो सबसे बड़ा खरीदार भी अंततः जनता के फैसले से ही हार सकता है।

नजरिया

रुपये की नई चाल से बदलेगा दक्षिण एशिया का खेल

नीरज दुबे

दक्षिण एशिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां हर नया आर्थिक फैसला केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके दूरगामी सामरिक और कूटनीतिक प्रभाव भी सामने आते हैं। रूस द्वारा बांग्लादेश के साथ भारतीय रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव इसी बदलती वैश्विक व्यवस्था का संकेत है। यह केवल भुगतान की नई व्यवस्था बनाने की पहल नहीं है, बल्कि डॉलर आधारित वित्तीय व्यवस्था को चुनौती देने और एशिया में नए आर्थिक समीकरण गढ़ने की कोशिश भी है। इस घटनाक्रम ने अमेरिका, चीन और भारत तीनों की रणनीतिक प्राथमिकताओं को एक साथ प्रभावित किया है।

रूस लंबे समय से पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। यूक्रेन युद्ध के बाद उस पर लगाए गए प्रतिबंधों ने उसके बैंकिंग नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली तक पहुंच को काफी सीमित कर दिया। ऐसे में मॉस्को लगातार ऐसे विकल्प तलाश रहा है, जिनसे डॉलर और पश्चिमी वित्तीय संस्थानों पर निर्भरता कम की जा सके। चीन के युआन और अन्य स्थानीय मुद्राओं के उपयोग की दिशा में प्रयास पहले से चल रहे हैं, लेकिन अब भारतीय रुपये को प्राथमिकता देने का संकेत इस बात का प्रमाण है कि भारत की आर्थिक विश्वसनीयता वैश्विक स्तर पर लगातार मजबूत हो रही है।

रूस का यह प्रस्ताव केवल मुद्रा बदलने का मामला नहीं है। इसके साथ विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने और दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की योजना भी जुड़ी हुई है। यदि यह व्यवस्था लागू होती है तो दोनों देशों के बीच व्यापार अधिक सरल, तेज और कम लागत वाला हो सकता है। इससे पश्चिमी वित्तीय प्रतिबंधों का प्रभाव भी सीमित होगा और वैकल्पिक भुगतान प्रणाली को बढ़ावा मिलेगा।

सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि रूस ने इस बार चीनी युआन के बजाय भारतीय रुपये को अधिक उपयुक्त विकल्प माना है। रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के भुगतान में युआन आधारित व्यवस्था अपेक्षित सफलता नहीं दे सकी थी। अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण कई बैंक भुगतान प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने से बचते रहे। ऐसे में भारतीय रुपया अपेक्षाकृत सुरक्षित और स्वीकार्य माध्यम बनकर सामने आया है। यह भारत की बढ़ती आर्थिक साख और वैश्विक वित्तीय प्रणाली में उसके बढ़ते प्रभाव का संकेत माना जा सकता है।

भारत पिछले कुछ वर्षों से रुपये के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है। कई देशों के साथ स्थानीय मुद्रा में व्यापार की व्यवस्था विकसित की गई है। यदि बांग्लादेश और रूस के बीच भी यही मॉडल सफल होता है तो यह दक्षिण एशिया में भारतीय रुपये की उपयोगिता को नई ऊंचाई देगा। इससे भारत केवल एक बड़ा बाजार नहीं रहेगा, बल्कि क्षेत्रीय वित्तीय केंद्र के रूप में भी अपनी पहचान मजबूत कर सकेगा।

रूस की इस पहल के समानांतर अमेरिका की सक्रियता भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। बांग्लादेश की ओर अमेरिकी उच्चस्तरीय कूटनीतिक पहल यह दर्शाती है कि वाशिंगटन ढाका की बदलती विदेश नीति पर गंभीर नजर बनाए हुए है। चीन के साथ बांग्लादेश की बढ़ती आर्थिक साझेदारी, रूस के साथ मजबूत होते संबंध और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में बदलता शक्ति संतुलन अमेरिका के लिए चिंता का विषय बन चुका है। यही कारण है कि अमेरिका बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को और मजबूत बनाने का प्रयास कर रहा है। चीन भी इस पूरे घटनाक्रम का महत्वपूर्ण पक्ष है। पिछले कुछ वर्षों में उसने बांग्लादेश में आधारभूत संरचना, ऊर्जा, परिवहन और आर्थिक गलियारों के माध्यम से अपनी उपस्थिति मजबूत की है। यदि रूस वित्तीय सहयोग और चीन अवसंरचना निवेश के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत करते हैं तो दक्षिण एशिया का सामरिक संतुलन बदल सकता है। ऐसे में भारत के सामने अवसर और चुनौती दोनों मौजूद हैं।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर यह है कि उसका रुपया क्षेत्रीय व्यापार की महत्वपूर्ण

मुद्रा बन सकता है। यदि पड़ोसी देशों के बीच भारतीय मुद्रा में लेन–देन बढ़ता है तो विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम होगा, विनिमय लागत घटेगी और भारत की वित्तीय भूमिका अधिक प्रभावशाली बनेगी। इससे भारतीय बैंकों, निर्यातकों और निवेशकों को भी दीर्घकालिक लाभ मिल सकता है।

हालांकि केवल अवसरों को देखकर संतुष्ट हो जाना पर्याप्त नहीं होगा। भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उसकी आर्थिक और कूटनीतिक सक्रियता पड़ोसी देशों में लगातार बनी रहे। यदि चीन निवेश और अवसंरचना के माध्यम से अपना प्रभाव बढ़ाता रहा तथा रूस वित्तीय सहयोग को मजबूत करता रहा तो भारत को संतुलित और सक्रिय नीति अपनानी होगी। क्षेत्रीय संपर्क, व्यापारिक समझौते, ऊर्जा सहयोग और तकनीकी साझेदारी को और गति देना समय की मांग है।

बांग्लादेश इस समय दक्षिण एशिया की राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। उसकी भौगोलिक स्थिति, बंगाल की खाड़ी तक पहुंच, बढ़ती अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में भूमिका उसे वैश्विक शक्तियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाती है। यही कारण है कि रूस, चीन और अमेरिका तीनों वहां अपनी उपस्थिति मजबूत करना चाहते हैं। भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने पारंपरिक संबंधों को नई आर्थिक संभावनाओं के साथ जोड़कर आगे बढ़ाए।

रूस द्वारा बांग्लादेश को यूरिया उर्वरक, कृषि सहयोग, ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और औद्योगिक निवेश जैसे क्षेत्रों में साझेदारी का प्रस्ताव भी इस बात का संकेत है कि भविष्य की प्रतिस्पर्धा केवल रक्षा या राजनीति तक सीमित नहीं रहेगी। आर्थिक सहयोग, तकनीकी नवाचार और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण ही आने वाले समय में प्रभाव का सबसे बड़ा आधार बनेंगे। वैश्विक व्यवस्था भी तेजी से बदल रही है। डॉलर की सर्वोच्चता को चुनौती देने वाले प्रयास अब पहले की तुलना में अधिक संगठित दिखाई दे रहे हैं। ब्रिक्स देशों की पहल, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और वैकल्पिक भुगतान तंत्र इसी परिवर्तन की कड़ियां हैं। हालांकि डॉलर की भूमिका अभी भी सबसे मजबूत है, लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर स्थानीय मुद्राओं का बढ़ता उपयोग भविष्य की नई आर्थिक व्यवस्था का संकेत दे रहा है।

भारत के लिए यह समय केवल दर्शक बने रहने का नहीं, बल्कि नेतृत्व की भूमिका निभाने का है। यदि आर्थिक सुधार, मजबूत बैंकिंग व्यवस्था, डिजिटल भुगतान प्रणाली और क्षेत्रीय व्यापारिक संबंधों को समान गति से आगे बढ़ाया गया तो भारतीय रुपया दक्षिण एशिया में भरोसे की मुद्रा बन सकता है। यह न केवल भारत की आर्थिक शक्ति को बढ़ाएगा बल्कि उसकी कूटनीतिक स्थिति को भी अधिक प्रभावशाली बनाएगा।

स्पष्ट है कि रूस का प्रस्ताव केवल व्यापारिक सुविधा का मामला नहीं है। यह बदलती वैश्विक राजनीति, आर्थिक शक्ति संतुलन और क्षेत्रीय नेतृत्व की नई प्रतिस्पर्धा का प्रतीक है। आने वाले वर्षों में यह तय होगा कि दक्षिण एशिया में प्रभाव की असली धुरी कौन बनेगा, लेकिन इतना निश्चित है कि इस नई शतरंज की बिसात पर भारतीय रुपया अब एक महत्वपूर्ण मोहरा बनकर उभर चुका है।

विचार विंडो

प्रकृति का धैर्य टूटा, अब चेतावनी सुनना जरूरी है

बोध प्रकाश सगुणी

धरती लगातार संकेत दे रही है, लेकिन इंसान अब भी उन्हें अनदेखा कर रहा है। कहीं बाढ़ तबाही मचा रही है तो कहीं सूखे से खेत बंजर हो रहे हैं। जंगलों में भीषण आग, बढ़ता तापमान, अनियमित मानसून, पिघलते ग्लेशियर और प्रदूषण का बढ़ता स्तर इस बात के स्पष्ट प्रमाण हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। यह केवल पर्यावरण का संकट नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से जुड़ी गंभीर चुनौती है। यदि समय रहते हमने अपनी विकास नीति और जीवनशैली में बदलाव नहीं किया तो आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ धरती देना कठिन हो जाएगा।

हर वर्ष 28 जुलाई को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य केवल एक दिन पर्यावरण की चर्चा करना नहीं, बल्कि यह याद दिलाना है कि पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन असीमित नहीं हैं। जंगल, नदियां, पहाड़, वन्यजीव और जैव विविधता मानव जीवन की आधारशिला हैं। इनके बिना न तो आर्थिक विकास संभव है और न ही सामाजिक समृद्धि। इसलिए प्रकृति संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानने के बजाय जनआंदोलन का स्वरूप देना होगा।

कोरोना महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन ने पूरी दुनिया को प्रकृति की अद भुत शक्ति दिखाई थी। जैसे ही उद्योग, वाहन और मानवीय गतिविधियां सीमित हुईं, हवा साफ होने लगी, नदियों का जल निर्मल दिखाई देने लगा और पक्षियों की चहचहाहट फिर सुनाई देने लगी। यह किसी चमत्कार का परिणाम नहीं था, बल्कि प्रकृति को मिला थोड़ा–सा विश्राम था। इससे यह स्पष्ट हुआ कि पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान हमारी अनियंत्रित गतिविधियों से पहुंच रहा है। दुर्भाग्य से सामान्य जीवन लौटते ही प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का वही पुराना दौर फिर शुरू हो गया।

आज दुनिया के लगभग हर देश में जलवायु परिवर्तन का असर महसूस किया जा रहा है। कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है, कहीं बादल फटने जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, तो कहीं समुद्री तूफानों की तीव्रता पहले से अधिक हो गई है। मौसम का यह असंतुलन कृषि, जल संसाधनों, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं, पेयजल संकट गहराता जा रहा है और प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली आर्थिक क्षति हर वर्ष बढ़ रही है।

भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है। हिमालयी क्षेत्रों में अनियोजित निर्माण, पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई, सुरंगों और चौड़ी सड़कों

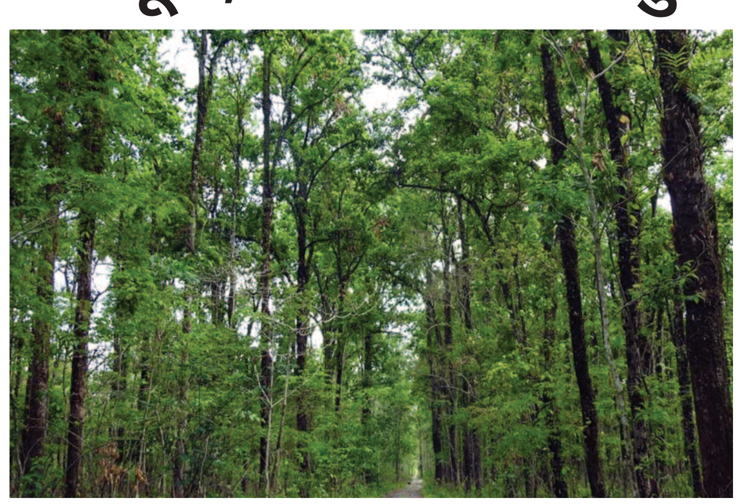

के लिए वनों का विनाश तथा नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप भविष्य के बड़े संकट की चेतावनी हैं। पहाड़ केवल पर्यटन स्थल नहीं हैं, बल्कि वे करोड़ों लोगों के लिए जल और जलवायु संतुलन का आधार हैं। यदि उनका प्राकृतिक स्वरूप लगातार बिगड़ता रहा तो इसका असर पूरे देश पर पड़ेगा।

शहरीकरण की तेज रफ्तार भी पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। शहरों में हरियाली तेजी से कम हो रही है और उसकी जगह कंक्रीट के जंगल खड़े हो रहे हैं। इससे तापमान बढ़ रहा है, वर्षा का प्राकृतिक चक्र प्रभावित हो रहा है और वायु प्रदूषण लगातार गंभीर होता जा रहा है। विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो पर्यावरण को नष्ट कर दे, अंततः समाज के लिए ही विनाशकारी साबित होता है।

प्रकृति संरक्षण का अर्थ केवल पेड़ लगाना नहीं है। जल संरक्षण, ऊ र्जा की बचत, प्लास्टिक का कम उपयोग, जैव विविधता की रक्षा, स्वच्छ नदियां, टिकाऊ कृषि और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यदि प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर छोटे–छोटे प्रयास करे तो उनका सामूहिक प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों के कानूनों से नहीं, बल्कि समाज की भागीदारी से सफल होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। नई परियोजनाओं में पर्यावरणीय मानकों का सख्ती से पालन हो, जंगलों की अंधाधुंध कटाई रोकी जाए, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिले और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग जिम्मेदारी के साथ किया जाए। स्कूलों से लेकर उद्योगों तक पर्यावरणीय जिम्मेदारी को व्यवहार का हिस्सा बनाना समय की मांग है।

धरती हमें जीवन देती है, लेकिन अब वही धरती अपने बदलते स्वरूप से चेतावनी भी दे रही है। यदि हम अभी भी नहीं संभले तो बाढ़, सूखा, भीषण गर्मी, जल संकट और प्राकृतिक आपदाएं आने वाले वर्षों में और विकराल रूप ले सकती हैं।

प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, बल्कि सामंजस्य ही मानव सभ्यता का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकता है। विकास तभी सार्थक होगा जब उसके केंद्र में पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा होगी। यही विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस का सबसे बड़ा संदेश है।

नदीम को पीछे छोड़ तीनों भारतीय ने किया क्वालीफाई

कॉमनवेल्थ में नीरज का दमदार आगाज फाइनल में बनाई जगह

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। लंबे समय बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में वापसी कर रहे नीरज ने क्वालिफिकेशन राउंड में 79.61 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया और कुल प्रदर्शन के आधार पर पांचवें स्थान पर रहते हुए फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। खास बात यह रही कि उन्होंने पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम से बेहतर प्रदर्शन करते हुए उन्हें पीछे छोड़ दिया।

ग्लासगो में खेले गए क्वालिफिकेशन मुकाबले में मौसम खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती बना रहा। ठंडी हवाओं और बादलों से घिरे मौसम के कारण कोई भी एथलीट 84 मीटर के ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क तक नहीं पहुंच सका। ऐसे में दोनों क्वालिफिकेशन ग्रुप के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर 12 खिलाड़ियों को फाइनल के लिए चुना गया। नीरज ने अपने अनुभव का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए 79.61 मीटर का थ्रो किया और आसानी से अंतिम दौर में जगह बना ली।

भारत के लिए राहत की बात यह रही कि केवल नीरज ही नहीं, बल्कि रोहित यादव और यश वीर सिंह ने भी फाइनल में प्रवेश किया। रोहित यादव ने 78.37 मीटर का थ्रो कर नौवां स्थान हासिल किया, जबकि यश वीर सिंह 78.36 मीटर के प्रयास के साथ दसवें स्थान पर रहे। तीनों भारतीय खिलाड़ियों के फाइनल में पहुंचने से देश की पदक उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं।

क्वालिफिकेशन राउंड में श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिराजे ने 82.84 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया। वहीं पाकिस्तान के अरशद नदीम 78.63 मीटर के साथ सातवें स्थान पर रहे और फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। हालांकि क्वालिफिकेशन में नीरज का प्रदर्शन उनसे बेहतर रहा, जिससे भारतीय समर्थकों का उत्साह बढ़ गया है।

अब सभी की निगाहें फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां नीरज चोपड़ा गोल्ड मेडल जीतने के इरादे से उतरेंगे। तीन भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी से भारत के लिए एक से अधिक पदक जीतने की संभावना भी मजबूत हुई है। यदि नीरज अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब पहुंचते हैं, तो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए एक और स्वर्णिम सफलता दर्ज हो सकती है।

रणबीर-यश की 'रामायण' के ट्रेलर ने मचाया तहलका

ब्रह्म मुहूर्त में रिलीज हुआ ट्रेलर

सोशल मीडिया पर छाया फिल्म का भव्य अंदाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायणः पार्ट-1' का ट्रेलर रिलीज होते ही इंटरनेट पर छा गया है। ब्रह्म मुहूर्त में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जारी किए गए इस ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। रिलीज के महज छह घंटे के भीतर ट्रेलर ने विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 50 लाख से अधिक व्यूज हासिल कर लिए, जिससे साफ हो गया कि फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। सोशल मीडिया पर ट्रेलर के शानदार विजुअल इफेक्ट्स, भव्य प्रस्तुति और स्टारकास्ट की खूब चर्चा हो रही है।

ट्रेलर में रणबीर कपूर भगवान श्रीराम के शांत और प्रभावशाली रूप में नजर आ रहे हैं, जबकि कन्नड़ सुपरस्टार यश का रावण अवतार भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। साई पल्लवी माता सीता और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में दिखाई दिए हैं। ट्रेलर में राम और रावण के बीच होने वाले महायुद्ध की झलक ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। फिल्म की भव्यता और तकनीकी स्तर को देखकर कई लोग इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक बता रहे हैं।

फिल्म की पटकथा श्रीधर राघवन ने लिखी है, जबकि संगीत के लिए पहली बार ऑस्कर विजेता हांस जिमर और भारत के महान संगीतकार एआर रहमान साथ आए हैं। दोनों की जोड़ी फिल्म के बैकग्राउंड स्कोर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने की कोशिश कर रही है। वहीं अत्याधुनिक वीएफएक्स और सिनेमाई प्रस्तुति ट्रेलर को और भी आकर्षक बना रही है। नमित मल्होत्रा की प्राइम फोकस स्टूडियोज, ऑस्कर विजेता वीएफएक्स कंपनी उ्ठएॅ और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के सहयोग से तैयार हो रही यह फिल्म दो भागों में रिलीज होगी। 'रामायणः पार्ट-1' को दिवाली 2026 पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। अब दर्शकों की नजर फिल्म के अगले प्रमोशनल कंटेंट पर है, खासकर हनुमान के किरदार में सनी देओल की पहली झलक का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

ईसीबी के बड़े फैसले से टेस्ट टीम में नई शुरुआत

इंग्लैंड क्रिकेट में बड़ा बदलाव: स्टीफन फ्लेमिंग बने टेस्ट कोच

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट में बड़ा बदलाव करते हुए न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर स्टीफन फ्लेमिंग को इंग्लैंड पुरुष टेस्ट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त कर दिया है।

वहीं अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम की कप्तानी सौंप दी गई है। बोर्ड ने गुरुवार को इन दोनों अहम नियुक्तियों का आधिकारिक ऐलान किया। क्रिकेट जगत में इस फैसले को इंग्लैंड टेस्ट टीम के भविष्य को नई दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है। फ्लेमिंग का कोचिंग अनुभव और जो रूट का नेतृत्व इंग्लैंड को टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकता है। 53 वर्षीय स्टीफन फ्लेमिंग का नाम दुनिया के सबसे सफल क्रिकेट कोचों में शामिल है। बतौर खिलाड़ी उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 111 टेस्ट मैच खेले और 80 मुकाबलों में कप्तानी करते हुए टीम को 28 जीत दिलाईं। हालांकि उनकी सबसे बड़ी पहचान चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच के रूप में बनी, जहां उन्होंने 18 वर्षों के कार्यकाल में टीम को पांच आईपीएल खिताब दिलाए और 10 बार फाइनल तक पहुंचाया। इसके अलावा उन्होंने 'द हंड्रेड' में सदर्न ब्रेव को भी फाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने उनके अनुभव पर भरोसा जताते हुए उन्हें टेस्ट टीम की कमान सौंपी है।

दूसरी ओर, जो रूट एक बार फिर इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बनेंगे। रूट इससे पहले 2017 से 2022 तक टीम की अगुआई कर चुके हैं। उन्होंने 65 टेस्ट मैचों में कप्तानी करते हुए 27 जीत दिलाईं, जो किसी भी इंग्लिश कप्तान का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड है। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट में उन्होंने अंतरिम कप्तान की जिम्मेदारी भी संभाली थी।

ईसीबी के अनुसार कई दावेदारों पर विचार करने के बाद चयन समिति ने सर्वसम्मति से फ्लेमिंग के नाम पर मुहर लगाई। हालांकि वह पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद टीम से जुड़ेंगे। तब तक मार्कस ट्रेस्कोथिक अंतरिम मुख्य कोच बने रहेंगे। फ्लेमिंग फिलहाल अपने परिवार के साथ समय बिताने के बाद इंग्लैंड पहुंचेंगे और दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले टीम की तैयारियों की कमान संभालेंगे। अब क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस नई जोड़ी पर टिकी हैं कि फ्लेमिंग और रूट मिलकर इंग्लैंड को टेस्ट क्रिकेट में फिर से बुलंदियों तक पहुंचा पाते हैं या नहीं।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में बड़ा ट्विस्ट

18वें जन्मदिन पर मायरा ने किया शादी का ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्टार प्लस के लोकप्रिय धारावाहिक 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में जल्द ही बड़ा मोड़ आने वाला है। लीप के बाद कहानी अभिरा और अरमान की बेटी मायरा के ईर्द-गिर्द घूमेगी, जो अपने 18वें जन्मदिन के मौके पर ऐसा फैसला सुनाती है कि पूरा पोद्दार परिवार हैरान रह जाता है। परिवार के बीच जन्मदिन का जश्न चल रहा होता है, तभी मायरा अपने बॉयफ्रेंड कबीर से शादी करने की इच्छा जाहिर कर देती है। इतना ही नहीं, वह करियर से ज्यादा शादी और रिश्ते को अपनी जिंदगी की प्राथमिकता बताती है, जिससे घर का माहौल पूरी तरह बदल जाता है।

आने वाले एपिसोड में दिखाया जाएगा कि अभिरा और अरमान अपनी दोनों बेटियों, मायरा और मुक्ति, को पहले करियर बनाने और आत्मनिर्भर बनने की सीख देते हैं। जहां मुक्ति माता-पिता की बात समझते हुए अपने भविष्य पर ध्यान देने का फैसला करती है, वहीं मायरा की सोच बिल्कुल अलग होती है। वह मानती है कि जीवन में सही जीवनसाथी मिल जाए तो हर सपना आसानी से पूरा किया जा सकता है। उसे विश्वास है कि कबीर उसके हर

करियर छोड़ कबीर संग घर बसाने का फैसला

सपने को साकार करेगा और वही उसके भविष्य की सबसे बड़ी ताकत बनेगा।

कहानी में नया मोड़ तब आता है, जब मायरा कबीर को पूरे परिवार से मिलवाकर शादी की बात करती है। अरमान इस फैसले का विरोध करते हुए उसे समझाने की कोशिश करता है कि यह उम्र करियर बनाने की है, शादी करने की नहीं। वहीं अभिरा भी बेटी की सोच से हैरान रह जाती है। मामला तब और गंभीर हो जाता है, जब कबीर का परिवार भी इस रिश्ते में शामिल हो जाता है और दोनों परिवारों के बीच तनाव बढ़ने लगता है।

अब दर्शकों की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या अभिरा और अरमान अपनी बेटी को जल्दबाजी में लिया गया फैसला बदलने के लिए मना पाएंगे या फिर मायरा अपने प्यार को मंजिल तक पहुंचाने के लिए परिवार के खिलाफ खड़ी होगी। आने वाले एपिसोड में रिश्तों, भावनाओं और टकराव का नया अध्याय देखने को मिलेगा।

क्रेडिट कार्ड स्कैम का शिकार हुईं कीर्ति कुल्हारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी साइबर ठगी का शिकार हो गई हैं। उनके क्रेडिट कार्ड से कुछ ही मिनटों में 2.43 लाख रुपये की अनाधिकृत निकासी कर ली गई। घटना के बाद अभिनेत्री ने तुरंत बैंक और पुलिस से संपर्क किया। शिकायत के आधार पर मुंबई की अंबोली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में यह मामला हाई-टेक साइबर फ्रॉड का माना जा रहा है, जिसकी पड़ताल साइबर विशेषज्ञों की मदद से की जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह घटना 24 जुलाई की रात हुई, जब कीर्ति कुल्हारी अंधेरी पश्चिम स्थित एक मल्टीप्लेक्स में फिल्म देखने गई थीं। फिल्म के दौरान उनके मोबाइल पर विदेशी मुद्रा में ट्रांजैक्शन का अलर्ट आया, जिसमें बताया गया कि उनके क्रेडिट कार्ड से 2,525 अमेरिकी डॉलर का भुगतान एरोमैक्सिको एयरलाइंस के नाम पर किया गया है। यह संदेश देखते ही अभिनेत्री के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत बैंक को इसकी सूचना दी। जांच में सामने आया कि उनके कार्ड से कुल चार अनाधिकृत ट्रांजैक्शन किए गए, जिनकी कुल राशि 2,43,852 रुपये थी। बैंक ने तत्काल उनका क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कर दिया ताकि आगे किसी तरह की धोखाधड़ी न हो सके।

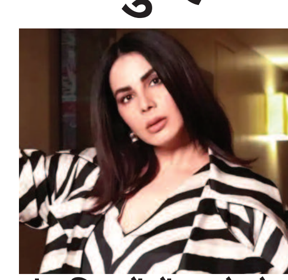

चंद मिनटों में खाते से उड़े 2.43 लाख रुपये

प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि कीर्ति ने अपनी कार्ड डिटेल्स, ओटीपी या बैंक संबंधी कोई गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं की थी। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि साइबर अपराधियों ने किसी तकनीकी तरीके से कार्ड की जानकारी हासिल कर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस अब ट्रांजैक्शन की पूरी श्रृंखला और इस्तेमाल किए गए डिजिटल माध्यमों की जांच कर रही है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कीर्ति कुल्हारी ने 'पिंक', 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक', 'मिशन मंगल', 'इंदु सरकार' और 'ब्लैकमेल' जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अभिनय क्षमता का परिचय दिया है। इसके अलावा 'फोर मोर शॉट्स प्लीज', 'क्रिमिनल जस्टिस', 'ह्यूमन' और 'बार्ड ऑफ ब्लड' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज में भी उनकी अदाकारी को खूब सराहा गया।

पत्नी से तंग आकर मौलाना ने खुद को जिंदा जलाया

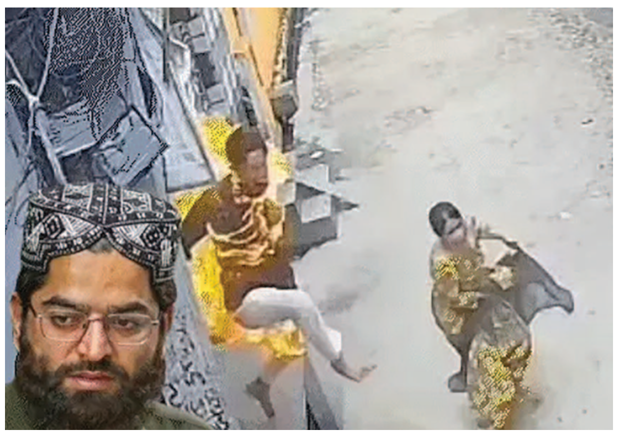

यूनिक समय, बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एक मौलाना की संदिग्ध परिस्थितियों में झुलसने के बाद मौत हो जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, मृतक के बयान और परिजनों की शिकायत के आधार पर जांच तेज कर दी है। मामला फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय अब्दुल कादिर स्थानीय मस्जिद में मौलाना थे। परिवार के अनुसार, उनका अपनी पत्नी के साथ लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन वह गंभीर रूप से आग से झुलसी अवस्था में घर से बाहर निकले। आसपास के लोगों ने आग बुझाकर उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां दो दिन उपचार के बाद उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार, उपचार के दौरान दिए गए बयान में अब्दुल कादिर ने पत्नी और उसके परिजनों पर मानसिक प्रताड़ना तथा संपत्ति को लेकर विवाद के आरोप लगाए। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार तनाव के कारण उन्होंने यह कदम उठाया। वहीं मृतक के भाई ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उसकी भाभी ने घटनाक्रम में भूमिका निभाई और मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए।

घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें मृतक आग की लपटों में घिरा घर से बाहर निकलता दिखाई देता है, जबकि पीछे से उसकी पत्नी मदद के लिए दौड़ती नजर आती है। फुटेज की जांच पुलिस कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक और भौतिक साक्ष्यों का परीक्षण कराया जा रहा है।

आग का गोला बनकर सड़क पर भागा

पत्नी पर लगाए प्रताड़ना के गंभीर आरोप

सीसीटीवी और साक्ष्यों के आधार पर जांच तेज

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर रिपोर्ट सुरक्षित रखी है और संबंधित लोगों से पूछताछ जारी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच, सीसीटीवी फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है।

मृत घोषित महिला में लौटी सांसें,परिवार हुआ हैरान

यूनिक समय, आगरा। आगरा में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया, जहां चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित की गई 65 वर्षीय महिला में अंतिम संस्कार की तैयारियों के दौरान अचानक जीवन के संकेत दिखाई दिए। घटना के बाद परिजनों ने तुरंत उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार ट्रांस यमुना क्षेत्र निवासी शीला देवी लंबे समय से लीवर संबंधी बीमारी से पीड़ित थीं। उनका इलाज पहले बदायूं और बाद में बरेली के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। परिजनों के अनुसार बुधवार तड़के चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद शाम को एंबुलेंस से उनका पार्थिव शरीर घर लाया गया। घर पर अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो चुकी थीं और रिश्तेदार अंतिम दर्शन के लिए पहुंच रहे थे।

इसी दौरान दामाद ने अंतिम प्रणाम करने के लिए उनके पैर छुए। तभी

अंतिम संस्कार की तैयारियों के बीच महिला ने खोली अचानक आंखें

परिजन तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, चिकित्सकों की निगरानी जारी

महिला के शरीर में हलचल हुई और उन्होंने दामाद का हाथ पकड़कर कहा कि वह जीवित हैं। यह देखकर परिवार के लोग स्तब्ध रह गए और बिना देर किए उन्हें तत्काल निजी अस्पताल ले गए। फिलहाल महिला चिकित्सकीय निगरानी में हैं। घटना के बाद क्षेत्र में इस मामले की व्यापक चर्चा है। चिकित्सकों की ओर से महिला की स्थिति और पहले मृत घोषित किए जाने के कारणों को लेकर आगे चिकित्सकीय परीक्षण और मूल्यांकन किया जा रहा है।

बंद मकान में लाखों की चोरी

यूनिक समय, आगरा। आगरा कैंट स्थित नॉर्थ रेलवे कॉलोनी में दिनदहाड़े एक बंद मकान में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवर, नकदी और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घटना से रेलवे कॉलोनी के लोगों में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार रेलवे कर्मचारी सोनम पांडे ड्यूटी पर गई थीं, जबकि बच्चे स्कूल और परिवार के अन्य सदस्य भी घर से बाहर थे। दोपहर में परिजन लौटे तो मकान का ताला टूटा मिला। घर के भीतर सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों के ताले टूटे हुए थे।

चोर करीब डेढ़ तोला सोने के आभूषण, आधा किलो चांदी के जेवर, मोबाइल फोन और नकदी अपने साथ ले गए। इसके अलावा घर के मंदिर की गुल्लक और लड्डू गोपाल के आभूषण भी चोरी कर

जेवर, नकदी संग मंदिर की गुल्लक भी ले गए

पुलिस जांच में जुटी कॉलोनीवासियों ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग

लिए। परिजनों के अनुसार, चोर फ्रिज में रखी रबड़ी भी खाकर चले गए, जिससे घटना और भी चर्चा का विषय बन गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। स्थानीय लोगों ने लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए रेलवे कॉलोनी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

अस्पताल से बच्ची अगवा आरोपी सिपाही हुआ गिरफ्तार

यूनिक समय, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में जिला अस्पताल से 10 वर्षीय बच्ची के अपहरण और हत्या के मामले में पुलिस ने एक सिपाही को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान अस्पताल के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की 39 सेकंड की फुटेज अहम साक्ष्य बनी, जिसमें वर्दी पहने आरोपी बच्ची को अपनी बाइक पर ले जाता दिखाई दिया।

पुलिस ने आरोपी की पहचान अभिषेक यादव के रूप में की है। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर गुरुवार तड़के बच्ची का शव बरामद किया गया। मामले में अपहरण के साथ हत्या और अन्य गंभीर धाराएं जोड़ते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की प्रक्रिया

सीसीटीवी फुटेज से मिला अहम सुराग

शव बरामद होने पर हत्या की धाराएं जोड़ी गई

शुरू कर दी है तथा उसे सेवा से बर्खास्त करने की संस्तुति भी भेजी गई है। परिजनों के अनुसार, बच्ची अपनी बीमार बड़ी बहन के लिए जिला अस्पताल खाना लेकर गई थी।

वापस घर लौटते समय वह लापता हो गई। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और सभी पहलुओं की गहन पड़ताल की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी।

कांवड़ यात्रा सुरक्षा को लेकर प्रशासन हुआ पूरी तरह सतर्क

यूनिक समय, बरेली। उत्तर प्रदेश में सावन और कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल और पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने बरेली में समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बरेली और मुरादाबाद मंडल के नौ जिलों के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में कांवड़ यात्रा मार्गों पर विशेष सतर्कता बरतने, तीसरे और चौथे सोमवार को अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि कांवड़ मार्गों पर साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

डीजीपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से

अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई

नौ जिलों के अधिकारियों संग तैयारियों की समीक्षा बैठक

अफवाह फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध तत्काल और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही अराजक गतिविधियों पर नजर रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) को पूरी तरह सक्रिय रखने को कहा गया।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने पर जोर दिया। साथ ही डीजे की ध्वनि सीमा और निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण वातावरण में कांवड़ यात्रा का लाभ मिल सके।

सावन के प्रथम दिवस पर शिवालयों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

यूनिक समय, लखनऊ। सावन मास के प्रथम दिन उत्तर प्रदेश के प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर सहित कई धार्मिक स्थलों पर भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। काशी विश्वनाथ मंदिर में मंगला आरती के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा के

नोटों से सजी कांवड़ बनी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र

दादी को कांवड़ में बैठाकर पोते ने निभाया पावन वचन

व्यापक इंतजाम किए गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी पहुंचकर पहले काल भैरव मंदिर में पूजा-अर्चना की, इसके बाद काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक किया।

उन्होंने मंदिर क्षेत्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

इस बीच कांवड़ यात्रा में आस्था के अनोखे दृश्य भी देखने को मिले। मुजफ्फरनगर में एक शिवभक्त 500-500 रुपये के नोटों से सजी कांवड़ लेकर हरिद्वार से गंगाजल भरकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हुआ, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा।

वहीं दिल्ली निवासी एक युवक अपनी बुजुर्ग दादी को कांवड़ में बैठाकर हरिद्वार से दिल्ली तक की यात्रा कर रहा है। उसने बताया कि दादी से किया गया वचन पूरा करने के लिए वह प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चल रहा है। श्रद्धा, सेवा और भक्ति का यह अनूठा संगम सावन के पहले दिन लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

प्रेमिका की शादी में जाने को निकला युवक का शव नाले में मिला

यूनिक समय, आगरा। सिकंदरा क्षेत्र के शास्त्रीपुरम में एक 26 वर्षीय युवक का शव नाले में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सोनू चौधरी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, वह 22 जुलाई को अपनी प्रेमिका की शादी में जाने की बात कहकर घर से निकला था, जिसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। परिवार का दावा है कि दोनों के बीच पिछले छह वर्षों से प्रेम संबंध था और वे विवाह करना चाहते थे। परिजनों ने प्रेमिका के परिवार पर हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पैलेट गन से घायलों के इलाज को सुप्रीम कोर्ट ने दिए निर्देश

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने छात्र आंदोलन के दौरान कथित रूप से पैलेट गन से घायल हुए लोगों के इलाज को लेकर दिल्ली सरकार को महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन में घायल सभी लोगों, विशेषकर पैलेट गन से प्रभावित लोगों का समुचित और गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ छात्र आंदोलन से संबंधित एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका पूर्व विशेष आईबी निदेशक एवं पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त यशोवर्धन आजाद ने दायर की है। याचिका में पैलेट गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने और कथित पीड़ितों को मुआवजा देने की मांग की गई है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से रैपिड एक्शन फोर्स

दिल्ली सरकार को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने का आदेश

केंद्र से मांगा पैलेट गन उपयोग का पूरा रिकॉर्ड

(आरएएफ) की तैनाती और विरोध प्रदर्शन के दौरान इस्तेमाल किए गए गोला-बारूद का पूरा रिकॉर्ड भी तलब किया।

अदालत ने कहा कि मामले के तथ्यों की स्पष्ट जानकारी आवश्यक है।

जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने सुनवाई के दौरान कहा कि मौजूदा पुलिस दिशा-निर्देशों के अनुसार विशेष परिस्थितियों में चरणबद्ध बल प्रयोग के तहत पैलेट गन के इस्तेमाल की अनुमति है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इन दिशा-निर्देशों को चुनौती दी जानी है, तो उसके लिए अलग कानूनी आधार प्रस्तुत करना होगा।

फिलहाल अदालत ने घायलों के उपचार को प्राथमिकता देते हुए दिल्ली सरकार को आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई में अदालत केंद्र सरकार से मांगी गई रिपोर्ट और रिकॉर्ड का भी परीक्षण करेगी।

आय से अधिक संपत्ति मामले में इंजीनियर के आवास पर छापा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में सासाराम के लघु सिंचाई प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता अरविंद कुमार चौधरी के छह ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। प्रारंभिक जांच में उनकी ज्ञात आय की तुलना में लगभग 85 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने के संकेत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। तलाशी अभियान के दौरान पटना, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, मुजफ्फरपुर और बांका स्थित आवासों तथा कार्यालय से बड़ी मात्रा में नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, चांदी के सिक्के, कीमती घड़ियां, चांदी के बर्तन और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद होने की जानकारी सामने आई है। जांच एजेंसी ने बरामद वस्तुओं को कब्जे में लेकर उनका रिकॉर्ड तैयार करना शुरू

छह ठिकानों से नकदी आभूषण और दस्तावेज मिले

जांच पूरी होने के बाद संपत्ति का होगा मूल्यांकन

कर दिया है। ईओयू के अनुसार, जब्त की गई संपत्तियों का अंतिम मूल्यांकन विस्तृत जांच पूरी होने के बाद किया जाएगा। दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड की भी गहन पड़ताल की जा रही है, ताकि संपत्ति के स्रोत का पता लगाया जा सके। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर तय होगी। फिलहाल कार्यपालक अभियंता की ओर से इस कार्रवाई पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

संसद परिसर में प्रियंका और कल्याण बनर्जी में हुई नोकझोंक

यूनिक समय, नई दिल्ली। संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले गुरुवार को संसद परिसर में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी के बीच हल्के-फुल्के अंदाज में राजनीतिक बातचीत देखने को मिली। इस दौरान कल्याण बनर्जी अपनी पार्टी छोड़ने वाले बागी सांसदों की तस्वीरों वाले पोस्टर के साथ पहुंचे थे।

बातचीत के दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि पोस्टर में शामिल कुछ नेता पहले कांग्रेस से तृणमूल कांग्रेस गए और बाद में भाजपा में शामिल हो गए। इस पर कल्याण बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि 1997 में कांग्रेस ने ममता बनर्जी का साथ नहीं दिया था। उन्होंने टिप्पणी की, यदि ऐसा नहीं हुआ होता

ममता बनर्जी के पुराने राजनीतिक सफर पर हुई चर्चा

हंसी-मजाक के बीच पप्पू यादव को मिली नसीहत

तो कांग्रेस की स्थिति अलग होती।

इस पर प्रियंका गांधी मुस्कुराते हुए बोलीं कि राजीव गांधी ममता बनर्जी को बहुत सम्मान और स्नेह देते थे। बातचीत के बीच निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भी टिप्पणी की, जिस पर कल्याण बनर्जी ने उन्हें बीच में टोक दिया। पूरा घटनाक्रम हंसी-मजाक और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

पूर्व मुख्यमंत्री आवास के पास दिनदहाड़े चली ताबड़तोड़ गोलियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के बख्तियारपुर में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पैतृक आवास के सामने दिनदहाड़े हुई गोलीबारी से इलाके में दहशत फैल गई। घटना बख्तियारपुर थाने से करीब 50 मीटर की दूरी पर हुई, जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, घायल युवकों की पहचान विशाल कुमार और अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। दोनों गंगा आरती में शामिल होकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए अज्ञात हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमले में विशाल की पीठ और अभिषेक के पेट में गोली लगी।

घायल अवस्था में दोनों किसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना

हमले में दो युवक घायल अस्पताल में कराया भर्ती

सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की तलाश तेज हुई

के बाद पुलिस ने मौके से एक खोखा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। हमलावरों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है।

वंदे भारत सफर के बाद भारतीय रेल की सराहना की

यूनिक समय, नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दिल्ली-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन से यात्रा करने के बाद भारतीय रेलवे की खुलकर सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा वीडियो में कहा कि यह उनका इस मार्ग पर पहला सफर था और आधुनिक रेल सेवा के साथ चिनाब पुल को देखना यादगार अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल की प्रगति पर उन्हें गर्व है।

हॉकी जर्सी विवाद पर प्रियंका ने सरकार को घेरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से भगवा किए जाने के मुद्दे पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जर्सी का रंग बदलने या शिक्षा नीति के माध्यम से इतिहास को बदलने की कोशिशों से देश की वास्तविक सोच नहीं बदलेगी।

प्रियंका गांधी ने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई सत्य, अहिंसा और भाईचारे के मूल्यों पर लड़ी गई थी। उन्होंने दावा किया कि इस संघर्ष में आरएसएस की कोई भूमिका नहीं थी और देश की आत्मा को विभाजनकारी

पैलेट गन मुद्दे पर उठाए सवाल

राजनीति से कमजोर नहीं किया जा सकता। कांग्रेस सांसद ने जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन का भी उल्लेख करते हुए पैलेट गन के कथित इस्तेमाल पर सरकार से सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि यदि प्रदर्शनकारियों के शरीर पर पैलेट के निशान हैं तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि ये कैसे लगे। इस बयान के बाद हॉकी जर्सी और छात्र आंदोलन का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है।

पंजाब पेपर लीक मामले पर भाजपा ने किया आप कार्यालय का घेराव

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब में कथित पेपर लीक मामलों को लेकर गुरुवार को दिल्ली स्थित आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यालय के बाहर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और बाद में चेतावनी देकर छोड़ दिया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग की। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि पंजाब में कई भर्ती और परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के मामले सामने आने के बावजूद राज्य सरकार उचित

कार्रवाई नहीं कर रही है।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा ने पंजाब टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट, 12वीं अंग्रेजी परीक्षा, फार्मेसी भर्ती और अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। नेताओं का कहना था कि इन घटनाओं से हजारों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और सरकार को जवाबदेह होना चाहिए।

भाजपा नेताओं ने आम आदमी पार्टी पर दोहरे रवैये का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र में पेपर लीक के मामलों पर इस्तीफे की मांग करने

प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं में हुई झड़प

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग हुई तेज

वाली पार्टी पंजाब के मामलों पर चुप्पी साधे हुए है। प्रदर्शन में सांसद बांसुरी स्वराज, योगेंद्र चंदोलिया, कमलजीत सहरावत और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

भाजपा ने चेतावनी दी कि यदि छात्रों से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की गई तो पार्टी का विरोध प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा। वहीं, आम आदमी पार्टी पहले इन आरोपों का खंडन करती रही है।

दिव्यांग बनकर भीख मांगने का कथित नाटक उजागर

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक व्यक्ति के कथित रूप से दिव्यांग होने का नाटक कर भीख मांगने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस के अनुसार, व्यक्ति की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी मुकेश के रूप में हुई है, जो कुछ दिन पहले ही शहर पहुंचा था।

स्थानीय लोगों को उस पर तब संदेह हुआ, जब उन्होंने उसे कई बार सामान्य तरीके से चलते और खड़े होते देखा। पूछताछ के दौरान लोगों ने उसे सीधा चलने के लिए कहा। वायरल वीडियो में वह बाद में सामान्य रूप से चलता दिखाई देता है, हालांकि वीडियो की परिस्थितियों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर उस पर मोबाइल चोरी के आरोप भी लगाए गए, लेकिन जांच में ऐसे आरोपों के समर्थन में कोई

स्थानीय लोगों के शक पर सामने आई सच्चाई

पुलिस ने पुनर्वास केंद्र भेजकर शुरू की आवश्यक कार्रवाई

साक्ष्य नहीं मिला। उसके पास से केवल 150 रुपये नकद और एक बैग बरामद हुआ। फिलहाल उसे सुमनहल्ली स्थित भिक्षुक पुनर्वास केंद्र भेज दिया गया है, जहां आवश्यक सत्यापन और आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

अटल्ला चुंगी चौराहा पर बनेगा फ्लाईओवर

यूनिक समय, वृंदावन। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने पंचकोसीय परिक्रमा मार्ग के अवस्थापना विकास की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दे दी है। योजना के तहत वाहनों ई-रिक्शा और पैदल परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग मार्ग विकसित किए जाएंगे।

एमवीडीए उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि वृंदावन परिक्रमा मार्ग करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन के साथ परिक्रमा भी करने आते हैं। वर्तमान में वाहनों ई-रिक्शा और पैदल यात्रियों के एक साथ चलने से कई स्थानों पर जाम और अव्यवस्था की स्थिति बन जाती है। नई योजना का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित सुगम और व्यवस्थित आवागमन उपलब्ध कराना है। योजना के प्रथम चरण में रमणरेती से निधिवन तक करीब 3.30 किलोमीटर लंबे परिक्रमा मार्ग का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इस कार्य पर लगभग 20 करोड़ रुपये खर्च होंगे। परियोजना के तहत ई-रिक्शा वाहनों

रमणरेती से निधिवन तक परिक्रमा मार्ग का सुदृढ़ीकरण होगा

और पैदल श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग मार्ग बनाए जाएंगे। फुटपाथ सुविधा जोन आरसीसी कवर ड्रेन और बिजली-संचार सहित अन्य उपयोगिता सेवाओं को भूमिगत किया जाएगा, जिससे मार्ग का सौंदर्य भी बढ़ेगा।

योजना के दूसरे चरण में अटल्ला चुंगी चौराहे पर लगभग 800 मीटर लंबे फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर करीब 80 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह चौराहा परिक्रमा मार्ग का प्रमुख यातायात केंद्र है जहां अधिकांश समय जाम की स्थिति बनी रहती है। फ्लाईओवर बनने के बाद वाहनों का आवागमन सुचारु होगा और परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को बिना किसी व्यवधान के अपनी यात्रा पूरी करने में सुविधा मिलेगी। एमवीडीए उपाध्यक्ष का मानना है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद वृंदावन परिक्रमा मार्ग न केवल अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनेगा, बल्कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

झगड़े में तमंचा दिखाना पड़ा मंहगा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। थाना मांट के गांव मिलक में दो पक्षों के बीच हुए झगड़े में तमंचा तानकर दूसरे पक्ष को धमकी देते एक वृद्ध का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने उसे देशी तमंचा-कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि नगला मिलक में 29 जुलाई को जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था। झगड़े में एक पक्ष का वृद्ध हाथ में तमंचा लेहराते हुए दूसरे पक्ष को जान से मारने की धमकी दे रहा था। दूसरे पक्ष ने उसका वीडियो बनकर इंटनेट मीडिया पर जारी कर दिया। पुलिस ने वृद्ध कुंदन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा-कारतूस बरामद किए हैं।

सावन के पहले दिन स्वर्ण-रजत हिंडोले में विराजे द्वारकाधीश

स्वर्ण और रजत हिंडोले में विराज मान होकर दर्शन देते ठाकुर द्वारकाधीश।

यूनिक समय, मथुरा। सावन मास के पहले दिन पुष्टिमार्गीय परंपरा के अनुसार ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में भगवान द्वारकाधीश महाराज स्वर्ण-रजत हिंडोले में विराजमान हुए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने ठाकुर के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा।

मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि मंदिर के सभी धार्मिक कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) द्वारा परंपरा के अनुरूप किया जाता है। उन्होंने बताया कि उसी परंपरा के तहत सावन मास के पहले दिन ठाकुर महाराज को प्राचीन, आकर्षक स्वर्ण-रजत हिंडोले में विराजमान कराया गया। पुष्टिमार्गीय परंपरा में ठाकुर को स्नेह

पूरे सावन माह तक विभिन्न हिंडोलों में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे ठाकुर

और वात्सल्य भाव से विभिन्न हिंडोलों में विराजमान कर झूला झुलाने की परंपरा का महत्व है। श्रद्धालु पूरे सावन माह इस अलौकिक झांकी के दर्शन होंगे।

मीडिया प्रभारी ने बताया कि सावन मास के दौरान प्रतिदिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ठाकुर जी विभिन्न प्रकार के हिंडोलों में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। शुक्रवार को सायं 5:10 बजे से 5:40 बजे तक ठाकुर जी फिरोजी हिंडोले में विराजमान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे।

नाबालिग को बहला-फुसला कर ले जाने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, चौमुहां। जैंत पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने वाले वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गौरव खन्ना निवासी मौहल्ला जनकपुरी थाना सिविल लाइन जिला मुजफ्फरनगर (19) एक नाबालिग किशोरी को बहला-फुसला कर ले गया था। इस मामले में उसके खिलाफ थाना जैंत में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने उसे मघेरा चौराहे पर बाटी रोड की ओर से गिरफ्तार किया है।

गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पर्व है गुरु पूर्णिमा

यूनिक समय, बल्देव। गर्गाचार्य पीठ के पीठाधीश्वर आचार्य मनीष गर्गाचार्य के आवास पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। भजन संकीर्तन-अखंड रामायण और महाप्रसादी का आयोजन किया गया। गर्गाचार्य ने गुरु की चरण पादुकाओं का पूजन किया। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों से आए शिष्यों ने आचार्य मनीष गर्गाचार्य का पूजन किया। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का पर्व अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पर्व है, क्योंकि गुरु की कृपा ही व्यक्ति को मनुष्यत्व से देवत्व की ओर ले जाती है। उन्होंने पर्यावरण को हरा-भरा बनाए रखने का संदेश देते हुए सभी को अपने परिवार की ओर से दो-दो पौधे लगाने और बच्चों को बेहतर संस्कार देने की बात कही ।

आचार्य मनीष गर्गाचार्य को सम्मानित करते श्रद्धालु।

इस अवसर पर सत्यनारायण अग्रवाल, सतेन्द्र पहलवान, श्रीगोपाल गर्ग, अमित सारस्वत, बालाजी अखाड़ा के अध्यक्ष अजीत पहलवान, बंटी पहलवान, डॉ नत्थी सिंह, चंद्रभान शर्मा, युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा, राजेश पाठक,अनुज उपमन्यु,सोनू मेंबर, हरिओम दादा, रवीश गर्गाचार्य, अजय अग्रवाल, ओमप्रकाश गर्ग, अजय सिकरवार, शिवा गर्ग, ललित गर्ग, खेंद्र सिंह, अजय अग्रवाल, शिव कुमार प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन आदि उपस्थित रहे।

मांसपेशियों में खिंचाव और जोड़ों के दर्द को न करें नजरअंदाज

मांसपेशियों वाले मरीज को देखते सीएमएस डॉ.नीरज अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। आजकल बदलते मौसम, ज्यादा मेहनत, गलत तरीके से काम करने और शरीर को पर्याप्त आराम नहीं मिलने के कारण कई लोग मांसपेशियों में खिंचाव और जोड़ों के दर्द की समस्या से परेशान हैं। शुरुआत में लोग इसे सामान्य दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन समय पर इलाज न मिलने पर परेशानी बढ़ सकती है।

जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि मांसपेशियों में खिंचाव ज्यादा वजन उठाने, अचानक दौड़ने, गलत तरीके से व्यायाम करने या लंबे समय तक एक ही जगह बैठने से होता है। वहीं, जोड़ों का दर्द बढ़ती उम्र, कैल्शियम और विटामिन-डी की कमी, गठिया या पुरानी चोट के कारण भी होते है। उन्होंने कहा कि अगर दर्द कई दिनों तक बना

समय पर इलाज कराने से मिलती है राहत, लापरवाही से बढ़ है परेशानी

रहे, सूजन आ जाए, चलने-फिरने में दिक्कत हो या हाथ-पैर ठीक से काम न करें तो तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। अपनी मर्जी से बार-बार दर्द की दवा खाना सही नहीं है। इससे शरीर पर बुरा असर पड़ सकता है।

सीएमएस ने बताया कि रोज हल्का व्यायाम करें, पौष्टिक भोजन खाएं, पर्याप्त पानी पिएं और शरीर को पूरा आराम दें। दूध, दही, हरी सब्जियां और कैल्शियम और विटामिन-डी वाले की मात्रा अधिक खानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुबह कुछ देर धूप में बैठना भी हड्डियों और मांसपेशियों के लिए फायदेमंद होता है।

बच्ची के साथ किया दुष्कर्म

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन क्षेत्र में रहने वाले पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति ने वहीं किराए के मकान में रहने वाली एक किशोरी के साथ दुराचार किया। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है।

एसपी ग्रामीण ने बताया कि गोवर्धन में 24 परगना,पश्चिम बंगाल के रहने वाले हरिदास ने तीन साल पहले अपना गोवर्धन में मकान बना लिया और वहां रह रहा है। उसने वहीं किराए के मकान में अपने परिवार के साथ रहने वाली एक 10-11 साल की किशोरी के साथ दुराचार किया। परिवार के लोगों ने

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की कार्रवाई

बालिका के साथ किए गए दुष्कर्म की शिकायत पुलिस को दी। गोवर्धन पुलिस ने तत्काल इस मामले में संज्ञान लेते हुए गंभीर धाराओं में दुष्कर्म और पॉक्सो में अभियोग पंजीकृत किया। महिला उपनिरीक्षक द्वारा बच्ची से जानकारी की गई है और अभी उसका मेडिकल कराया जा रहा है। स्थानीय टीम गंभीरता से सभी तथ्यों को संकलित कर रही है और इस प्रकरण में जो भी सत्यता पाई जाएगी, उसमें कठोर कार्रवाई की जाएगी।

निकासी न होने से अचरू लधोरा के होल्ला में भरा गंदा पानी

यूनिक समय, मथुरा। न्याय पंचायत भैंसारा की ग्राम पंचायत अचरू लधोरा के होल्ला गांव में जलभराव की समस्या ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। खरंजे पर जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से बारिश के दिनों में गंदा पानी जमा हो जाता है। इससे मार्ग पर कीचड़ फैल गई है, लोगों का आवागमन मुश्किल हो रहा है।

कीचड़ भरे रास्ते से साइकिल लेकर निकलता ग्रामीण।

ग्रामीणों का कहना है कि सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। छात्र-छात्राओं को मजबूरी में गंदे पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। पैदल चलने वाले राहगीरों और साइकिल सवारों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण चरवासी शर्मा, लाल सिंह, हरेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह और करुआ सिंह सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है। उन्होंने जल्द समाधान नहीं होने पर समस्या के और गंभीर होने की आशंका जताई है।

बिजली के खंभों पर तारों का जाल, हादसे का खतरा

यूनिक समय, वृंदावन। रुक्मणी विहार सेक्टर-2 क्षेत्र में बिजली के खंभों पर फैले तारों का जाल स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बना है। कई स्थानों पर खंभों से होकर बड़ी संख्या में बिजली के तार अव्यवस्थित तरीके से गुजर रहे हैं, जिससे क्षेत्र की सुंदरता प्रभावित होने के साथ-साथ सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

रुक्मणी विहार में फैला बिजली के तारों का जाल।

बरसात के मौसम में यह स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। तेज हवा या बारिश के दौरान तारों के आपस में टकराने की आशंका बनी रहती है, जिससे शॉर्ट सर्किट या अन्य तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यदि समय रहते इन तारों को व्यवस्थित नहीं किया गया, तो भविष्य में किसी अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। क्षेत्र में जगह-जगह बिजली के खंभों पर पुराने और नए तार एक साथ लटके हुए दिखाई देते हैं। कई स्थानों पर तारों का इतना अधिक जाल बन गया है कि यह समझना भी मुश्किल हो जाता है कि कौन-सा तार किस लाइन का है। इससे बिजली व्यवस्था के रखरखाव में भी कठिनाई आ सकती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है, लेकिन बिजली के तारों की व्यवस्था उसी अनुपात में व्यवस्थित नहीं हो पाई है। लोगों का मानना है कि संबंधित विभाग को इस ओर गंभीरता से ध्यान

वृंदावन रुक्मणी विहार सेक्टर-2 में समस्या से लोग परेशान

देकर खंभों पर फैले अतिरिक्त और अव्यवस्थित तारों को व्यवस्थित करना चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को कम किया जा सके। क्षेत्रवासियों की अपेक्षा है कि बिजली व्यवस्था को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। समय रहते यदि तारों के इस जाल को हटाकर या व्यवस्थित कर दिया जाए, तो न केवल क्षेत्र की सुरक्षा बेहतर होगी, बल्कि आम लोगों को भी संभावित जोखिम से राहत मिलेगी।

शिक्षक मुकेश शर्मा को मानद डॉक्टरेट उपाधि से किया सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। पीएम श्री विद्यालय वाटी के प्रभारी प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और नवाचारों के लिए कैंडब्रुक यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा मानद डॉक्टरेट (ऑनरेरी पीएचडी) की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान जयपुर के एक होटल में आयोजित समारोह के दौरान प्रदान किया गया। मुकेश शर्मा को मानद डॉक्टरेट उपाधि मिलने पर जगदीश पाठक, सुरेंद्र मित्तल, सुजीत वर्मा, राधाकांत शर्मा, कमल कौशिक सहित अनेक शिक्षकों, समाजसेवियों ने बधाई दी।